खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 25 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-234

भारत-रूस व्यापार बढ़ोतरी

मोदी 'केयर' को श्रेय

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत और रूस के बीच इस वर्ष व्यापार में हुई बढ़ोतरी का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से द्विपक्षीय संबंधों पर दिए जा रहे व्यक्तिगत ध्यान को दिया है। पुतिन ने सोमवार को मॉस्को में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के दौरान भारत-रूस संबंधों की गहराई का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जल्द मुलाकात की उम्मीद भी जताई।

पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के बीच सहयोग केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार, संसद और आर्थिक क्षेत्रों सहित विभिन्न स्तरों पर दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं।

जयशंकर के साथ बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस साल हमारा व्यापार बढ़ा है। पिछले साल इसमें थोड़ी गिरावट आई थी, लेकिन इस साल इसमें बढ़ोतरी हो रही है। इसके पीछे आंशिक रूप से और शायद मुख्य रूप से प्रधानमंत्री मोदी का योगदान है, जो रूस-भारत संबंधों के विकास पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दे रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी शुभकामनाएं देने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की उम्मीद कर रहे हैं।

पुतिन के मुताबिक, दोनों नेताओं की मुलाकात जल्द होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान हो सकती है। इसके अलावा उन्होंने संकेत दिया कि इस वर्ष दोनों नेताओं के बीच एक और बैठक भी संभव है। पुतिन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जैसा हमने तय किया है, शंघाई सहयोग संगठन के ढांचे के तहत मैं जल्द उनसे मिलूंगा। हमारा कार्यक्रम ऐसा है कि शायद इस साल हम एक बार फिर मुलाकात कर सकेंगे।

ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति पर चर्चा

पुतिन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव की ओर से किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। मंटुरोव व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग में रूसी पक्ष का नेतृत्व करते हैं।

पुतिन ने बताया कि दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई है। इनमें ऊर्जा और उर्वरक की आपूर्ति प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि रूस भारतीय किसानों और कृषि क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उर्वरक की आपूर्ति बढ़ा रहा है और भविष्य में इसे और बढ़ाने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, मुद्दा केवल ऊर्जा का नहीं है। उर्वरक की आपूर्ति भी महत्वपूर्ण है। हम भारतीय किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए इस मुद्दे के समाधान की दिशा में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम इसकी आपूर्ति बढ़ा रहे हैं और आगे भी इसे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देश परमाणु ऊर्जा और उच्च तकनीकी क्षेत्र सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके मुताबिक, इन क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे दोनों देशों के एजेंडे में हैं और लगातार प्रगति हो रही है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा ऐसे समय हुई है, जब भारत और रूस अपनी पुरानी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु ऊर्जा और उच्च तकनीकी क्षेत्र दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं।

भारत और रूस के बीच बढ़ता व्यापार तथा ऊर्जा और कृषि क्षेत्र से जुड़े सहयोग के साथ दोनों देश अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में भी साझेदारी को विस्तार देने पर जोर दे रहे हैं।

पुतिन की प्रधानमंत्री मोदी से प्रस्तावित मुलाकात को इसी व्यापक द्विपक्षीय सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ममता नज़रबंद?

शुभेंदु की शिकायत राष्ट्रपति से

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी पर उन्हें खुलेआम धमकी देने का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि सरकारी कार्यालय में बैठे शुभेंदु अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ममता बनर्जी अपने घर से बाहर भी न निकल सकें। ममता ने इसे भारतीय राजनीति के गिरते स्तर का उदाहरण बताते हुए राष्ट्रपति और भारत के मुख्य न्यायाधीश से सवाल किया है।

ममता बनर्जी ने सामाजिक माध्यम एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारतीय राजनीति में एक नया निचला स्तर। शुभेंदु अधिकारी ने सरकारी कार्यालय में बैठे हुए मुझे खुलेआम धमकी दी है और सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह सुनिश्चित करेंगे कि मैं अपने घर से भी बाहर न निकल सकूं।

ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश और देश की जनता से सवाल करते हुए पूछा कि क्या संविधान निर्माताओं ने ऐसे भारत की कल्पना की थी? ममता बनर्जी ने अपनी पोस्ट में शुभेंदु अधिकारी के कथित बयान-मैं सुनिश्चित करूंगा कि वह घर से बाहर न निकल सकें का उल्लेख करते हुए कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि आखिर इस बयान का मतलब क्या है? क्या इसका अर्थ घर में नजरबंदी, डराना-धमकाना या राजनीतिक उत्पीड़न है? उन्होंने सवाल किया कि संवैधानिक लोकतंत्र में किसी व्यक्ति को यह तय करने का अधिकार किसने दिया कि कौन स्वतंत्र रूप से कहीं आ-जा सकता है और कौन नहीं। ममता बनर्जी ने कहा कि यह मामला केवल उनके बारे में नहीं है, बल्कि इससे कहीं बड़ा मुद्दा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ऐसा भारत बनाना चाहती है, जहां राजनीतिक विरोधियों को धमकाया जाए, असहमति को सजा दी जाए और संवैधानिक अधिकार सत्ता में बैठे लोगों की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं में बदल जाएं।

ममता बनर्जी ने अपने बयान में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि भारत इस समय खतरनाक अधिनायकवादी दौर का सामना कर रहा है।

उन्होंने लिखा कि इतिहास गवाह है कि सत्ता कुछ समय तक लोगों को डरा सकती है, लेकिन आखिरकार अहंकारी को जनता को जवाब देना ही पड़ता है। उन्होंने आगे कहा, उनका अहंकार तेज है, लेकिन उनकी हताशा उससे भी ज्यादा है। उनके दिन गिने-चुने हैं।ममता बनर्जी ने अपने बयान के जरिए राजनीतिक विरोधियों को धमकी दिए जाने और संवैधानिक अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की स्वतंत्रता और राजनीतिक असहमति का सम्मान किया जाना चाहिए।

अभिषेक बनर्जी ने भी भाजपा को घेरा

इस विवाद के बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा।

▶8पर

मायके जाने के लिए अनुमति जरूरी नहीं : कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान कहा कि किसी महिला को अपने मायके जाने के लिए पति या ससुराल वालों से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पति अपनी पत्नी को अपने माता-पिता की देखभाल करने या घर के काम करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता।

अदालत ने यह टिप्पणी तुमकुरु पारिवारिक न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

पारिवारिक न्यायालय ने एक व्यक्ति को अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी को हर महीने 9 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था।

मामला न्यायमूर्ति डॉ. चिल्लाकुर सुमलता की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध था। अदालत ने कहा कि माता-पिता की देखभाल करने का पहला दायित्व उनके बेटे और बेटी का होता है, न कि दामाद या बहू का।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, हम समझ नहीं पा रहे कि किसी महिला को अपनी कोई भी इच्छा पूरी करने के लिए ससुराल में मौजूद सभी लोगों से अनुमति क्यों लेनी चाहिए। वह जब चाहे अपने माता-पिता के घर जा सकती है।

अदालत ने कहा कि पति हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी महिला या पत्नी को घर के काम करने और अपने माता-पिता की देखभाल करने का आदेश नहीं दे सकता। घर के काम पुरुषों और महिलाओं के बीच बराबर बांटे जाने चाहिए।

हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले व्यक्ति ने दावा किया था कि उसकी पत्नी घर का काम नहीं करती थी और अपने सास-ससुर की देखभाल भी नहीं करती थी। ▶8पर

चीन-तुर्की-पाक त्रिकोण

भारत के खिलाफ गुप्त मिशन?

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में 18 से 20 अगस्त 2026 के बीच कई चीनी और तुर्की सैन्य मालवाहक विमानों की आवाजाही देखे जाने का दावा किया गया है। चीनी वाई-20 सैन्य परिवहन विमान नूर खान और मसरूर वायुसेना अड्डों पर उतरे। इसी दौरान तुर्की का एयरबस ए400एम विमान इस्तांबुल से मुरीद वायुसेना अड्डे पहुंचा।

तुर्की के सी-130 हरक्यूलिस विमान भी नूर खान और मसरूर वायुसेना अड्डों पर देखे जाने का दावा किया गया है।

इन उड़ानों को जोड़कर इस समय सामाजिक माध्यमों और इंटरनेट पर एक विश्लेषण सामने आया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि ये गतिविधियां चुपचाप चल रही तैयारियों यानी किसी गुप्त सैन्य मिशन का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

तुर्की की ओर से उन्नत बेरक्तार टीबी-2 ड्रोन और बेकर यीहा-3 घूमते-फिरते युद्धास्त्रों की बड़ी खेप भेजे जाने का दावा किया जा रहा है। इन्हें आमतौर पर बहावलपुर और रावलपिंडी के पास स्थित सुविधाओं में रखे जाने की बात कही जाती है।

नए टीबी-2टी-एआई संस्करण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताओं वाले तीन नए ऑनबोर्ड कंप्यूटर लगाए जाने की बात कही गई है। दावा है कि यह 1,000 किलोमीटर तक लक्ष्य का पता लगाने, उसकी पहचान करने और उसका विश्लेषण करने में सक्षम है। इसमें 250 किलोग्राम तक भार ले जाने की क्षमता और 27 घंटे तक उड़ान भरने की क्षमता बताई गई है। ब्रॉडबैंड उपग्रह संचार प्रणाली के एकीकरण के कारण यह दृष्टि-सीमा से परे भी काम कर सकता है।

यीहा-3 के उन्नत संस्करण के बारे में दावा है कि यह 6 किलोग्राम तक का युद्धक सिर ले जा सकता है। इसकी मारक दूरी 200 किलोमीटर से अधिक और उड़ान अवधि लगभग एक घंटे बताई गई है। इसे पिकअप ट्रक से तेज प्रक्षेपण के जरिए छोड़ा जा सकता है। इसमें विद्युत-ऑप्टिकल प्रणाली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मार्गदर्शन क्षमता होने का भी दावा किया गया है।

उपग्रह और गहरे लक्ष्यों को लेकर दावा

30 मई 2024 को पाकिस्तान ने चीन के शिचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से पाकसैट-एमएम1 उपग्रह का प्रक्षेपण किया था, जो सितंबर 2024 में पूरी तरह सक्रिय हो गया। दावा है कि यह लगभग 38,786 किलोमीटर की ऊंचाई पर 38.2 डिग्री पूर्व कक्षीय स्थिति में है।भारत के साथ किसी संभावित टकराव की स्थिति में पाकिस्तान इस उपग्रह को दृष्टि-सीमा से परे ड्रोन युद्ध के लिए सूचना और संचार माध्यम के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। टीबी-2टी-एआई में भी ऐसी क्षमता होने का दावा किया गया है। विश्लेषण में दावा किया जा रहा है कि उपग्रह संचार और ड्रोन तकनीक के संयोजन से भारत के अंदरूनी शहरों तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की क्षमता विकसित की जा सकती है। हालांकि, इस तरह के दावों की स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नौसेना और अन्य संभावित खतरों का भी जिक्र

कराची में उतरे तुर्की के सी-130 विमान के जरिए तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के अंका-3 स्टील्थ ड्रोन की आपूर्ति किए जाने की संभावना जताई गई है। यह कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाला ड्रोन है, जिसे नौसैनिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किए जाने की बात कही जाती है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 24^0

वन नेशन-वन इलेक्शन चिदंबरम बोले-असंवैधानिक

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने संसद की संयुक्त समिति के सामने एक राष्ट्र, एक चुनाव के प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की इस पहल को राक्षसी और असंवैधानिक करार दिया। चिदंबरम ने कहा कि देशभर में एक साथ चुनाव कराने का प्रस्ताव बिना सोचे-समझे की जा रही कवायद है। सूत्रों के मुताबिक, चिदंबरम ने यह राय संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही संसद की संयुक्त समिति के सामने पेश होकर दी। इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्यों की विधानसभा चुनावों को एक साथ कराना है। चिदंबरम ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जुड़े ये विधेयक पूरी तरह असंवैधानिक हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कोई भी विधायिका पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए चुनी जाती है। ऐसे में उसके कार्यकाल को ▶8पर

एक डॉलर=20 लाख रियाल

अमेरिकी दबाव : ईरानी मुद्रा निचले स्तर पर

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ जारी संघर्ष और प्रतिबंधों के चलते ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है। ईरानी मुद्रा रियाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है, जब वाशिंगटन नई पाबंदियों की घोषणा करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका ने कहा है कि नई पाबंदियां आर्थिक डी-डे साबित होंगी और पहले से लागू प्रतिबंधों तथा अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी से बुरी तरह प्रभावित ईरानी अर्थव्यवस्था पर और दबाव डालेंगी।अनौपचारिक मुद्रा बाजार में कारोबार शुरू होते ही रियाल गिरकर एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20.2 लाख रियाल पर पहुंच गया। ईरान के केंद्रीय बैंक की आधिकारिक दर करीब 15 लाख रियाल प्रति डॉलर है, लेकिन ज्यादातर ईरानी लोग अनौपचारिक बाजार की दर पर ही भुगतान करते हैं।ईरान की मुद्रा पर पहले से ही दबाव बना हुआ था। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमला करने से पहले ही देश दोहरे अंकों वाली महंगाई और नकारात्मक आर्थिक वृद्धि का सामना कर रहा था। हालांकि, करीब छह महीने से जारी युद्ध ने अर्थव्यवस्था पर और बड़ा असर डाला है और रियाल लगातार नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच रहा है।▶8पर

5 सितंबर को फिर कॉकरोच मार्च वादा खिलाफी को लेकर आंदोलन

नई दिल्ली, 24 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध मार्च का राष्ट्रव्यापी आह्वान किया है। पार्टी ने केंद्र सरकार पर 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। इन आश्वासनों के बाद राष्ट्रव्यापी युवा विरोध प्रदर्शनों को सद्भावना के तहत वापस ले लिया गया था।5 सितंबर को होने वाला शांतिपूर्ण मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर आगे बढ़ेगा। पार्टी के अनुसार, इसका नेतृत्व नीट परीक्षा से जुड़े मृत छात्रों के परिवार और कथित पुलिस बर्बरता के पीड़ित करेंगे। देशभर के छात्रों, युवा संगठनों और युवा नागरिकों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है।कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से जारी बयान में केंद्र सरकार पर 25 जुलाई को देश के युवाओं से किए गए वादों, खासकर छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी ▶8पर

नेपाल में इस वर्ष शुरू होंगी कई बड़ी विद्युत प्रसारण लाइनें नेपाल भारत अन्तर्देशीय प्रसारण लाइन भी शामिल

काठमांडू

नेपाल विद्युत् प्राधिकरण के अनुसार इसी साल दिसंबर तक कई महत्वपूर्ण विद्युत प्रसारण लाइनें इस वर्ष संचालन में आने वाली हैं। इनमें उच्च क्षमता वाली तीन नेपाल भारत अंतर्देशीय प्रसारण लाइनें भी शामिल हैं, जिनके आगामी दिसंबर तक संचालन में आने का दावा किया गया है। इनमें भारत सरकार के सहयोग से बन रहे मुजफ्फरपुर-ढल्केबर-हेटौंडा और न्यू बुटवल-गोरखपुर प्रसारण लाइनें रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक दीर्घायु कुमार श्रेष्ठ के अनुसार निर्माणाधीन प्रसारण परियोजनाओं के पूरा होने से आवश्यकता के अनुसार बिजली को पूर्व से पश्चिम और पश्चिम से पूर्व तक प्रवाहित करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में आंतरिक प्रसारण प्रणाली की क्षमता कमजोर होने के कारण मांग के अनुसार बिजली का पूर्व-पश्चिम प्रवाह संभव नहीं हो पा रहा है। नई प्रसारण लाइनों से घरेलू बिजली आपूर्ति के साथ-साथ बिजली निर्यात में भी सहयोग मिलने की उम्मीद है।

संचालन में आने वाली 132 केवी की सात प्रसारण लाइनें :

कोहलपुर-दैलेख : 32 किलोमीटर लंबी इस प्रसारण लाइन को अक्टूबर, 2026 तक संचालन में लाने का लक्ष्य है। कुल 101 टावरों में से 80 की नींव तैयार हो चुकी है, जबकि 32 टावरों का निर्माण पूरा हो गया है। बाकी टावरों का निर्माण पूरा कर परियोजना को संचालन में लाने की तैयारी है।

कालीगंडकी-रिडी : 22.5 किलोमीटर लंबी इस प्रसारण लाइन के सभी 70 टावरों का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें से 8.55 किलोमीटर हिस्से में तार भी खींचा जा चुका है। इसे सितंबर के अंत तक संचालन में लाने की तैयारी है।

भुमही-हुकाई : 14.4 किलोमीटर लंबी इस प्रसारण लाइन में कुल 47 टावर बनाए जाएंगे। इनमें 22 टावरों की नींव तैयार हो चुकी है। प्राधिकरण ने दावा किया है कि शेष काम 11 महीने में पूरा कर इसे आगामी दिसंबर 2026 तक संचालन में लाया जाएगा।

अमरपुर-ढुंगेसाहु : 19.2 किलोमीटर लंबी इस प्रसारण लाइन को नवंबर में संचालन में लाने का लक्ष्य है। कुल 67 टावरों में से 62 की नींव तैयार हो चुकी है और 27 टावर पूरी तरह बन चुके हैं। अब बाकी टावरों का निर्माण और तार खींचने का काम किया जाएगा।

लालबंदी-सिमलपुर : 20 किलोमीटर लंबी इस प्रसारण लाइन का निर्माण पूरा हो चुका है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय सांसद शशि थरूर की पुस्तक मैं क्यों हिंदू हूँ के नेपाली अनुवाद का होगा लोकार्पण

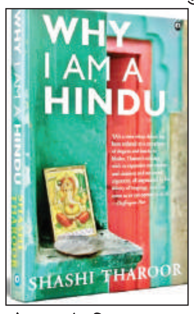

काठमांडू। भारतीय राजनीतिज्ञ और बौद्धिक व्यक्तित्व डा. शशि थरूर द्वारा लिखित पुस्तक Why I Am a Hindu (मैं क्यों हिंदू हूँ) के नेपाली अनुवाद का काठमांडू में लोकार्पण किया जाएगा। नेपाल लिटरेचर फेस्टिवल के आयोजन में यह कार्यक्रम आगामी 26 अगस्त को काठमांडू स्थित नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान में आयोजित होगा। कार्यक्रम में डा. थरूर दक्षिण एशिया में बहुलवाद, आस्था और धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के विषय पर संवाद करेंगे। पुस्तक में डा. थरूर ने अपने विश्वास और विद्वत्तापूर्ण विश्लेषण के माध्यम से हिंदू धर्म की विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या की है। उन्होंने आदि शंकराचार्य, पतंजलि, स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों के योगदान के साथ वेद, अद्वैत वेदांत और भक्तियोग जैसी दार्शनिक अवधारणाओं पर चर्चा की है। पुस्तक में पारंपरिक धार्मिक अभ्यासों के साथ हिंदुत्व के उदय और उसके आधुनिक राजनीतिक प्रभावों का भी विश्लेषण किया गया है। थरूर ने भारतीय धर्मनिरपेक्षता के संदर्भ में हिंदू बहुसंख्यक समुदाय की भूमिका पर भी अपना तर्क प्रस्तुत किया है। साथ ही उन्होंने धार्मिक कट्टरपंथ से भारत की सांस्कृतिक विरासत को खतरा उत्पन्न होने की चेतावनी दी है। पुस्तक का नेपाली अनुवाद पत्रकार स्वेच्छा राउत ने किया है। करीब एक दशक से पत्रकारिता में सक्रिय राउत ने रेडियो से अपने करियर की शुरुआत की तथा बीबीसी नेपाली सेवा में आनलाइन पत्रकारिता का अनुभव हासिल किया है। मैं क्यों हिंदू हूँ का प्रकाशन नेपाल के प्रमुख प्रकाशन गृह फाइनप्रिंट ने किया है।

बांग्लादेश मुस्लिम देशों के रक्षा गठबंधन में होगा शामिल

ढाका। बांग्लादेश ने हाल ही में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच हुए एक नए रक्षा गठबंधन में शामिल होने की संभावना पर गंभीरता से विचार करना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश के दो वरिष्ठ मंत्रियों ने इस बात की पुष्टि की है कि उनका देश इस गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए तैयार है, लेकिन इस संबंध में कोई भी अंतिम निर्णय राष्ट्रीय हितों और वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखकर ही लिया जाएगा। इस गठबंधन का गठन 7 अगस्त को मक्का में हुआ था, जिसके तहत सामूहिक सुरक्षा और प्रतिरोध का एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। इस समझौते में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि यदि तीनों सदस्य देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा, जिससे एक एकीकृत रक्षा प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। नवनियुक्त विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने इस विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में बांग्लादेश प्रथम की नीति पर चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश अपने हितों, साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार में बदलती परिस्थितियों को देखते हुए सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की से जुड़े किसी भी आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने की संभावना के प्रति सकारात्मक रुख रखता है। मंत्री कबीर ने यह भी बताया कि बांग्लादेश पाकिस्तान के साथ सामान्य राजनयिक संबंधों के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को भी मजबूत करेगा, जिसमें व्यापार बढ़ाने और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं ब्यूटी प्रोडक्टः शोध

न्यूयार्क। जो हाई स्कूल के छात्र सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताते हैं और ब्यूटी, हेयर केयर या मेकअप से जुड़ा कंटेंट ज्यादा देखते हैं, वे पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स का भी अधिक इस्तेमाल करते हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से कुछ प्रोडक्ट्स में ऐसे केमिकल हो सकते हैं जो शरीर के हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं। यह रिसर्च अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने की है। अध्ययन में न्यू जर्सी के प्रिंसटन हाई स्कूल के 143 छात्रों को शामिल किया गया। छात्रों से पूछा गया कि उन्होंने पिछले 24 घंटों में साबुन, शैंपू, डियोड्रेंट, परफ्यूम, सनस्क्रीन, स्किन केयर और मेकअप जैसे कितने पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। रिसर्च में सामने आया कि सोशल मीडिया और ब्यूटी कंटेंट का इस्तेमाल जितना ज्यादा था, प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी उतना ही ज्यादा था। जिन छात्रों ने ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फालो किया था जिनकी अपनी प्रोडक्ट लाइन थी, उन्होंने पिछले 24 घंटे में औसतन 30 फीसदी ज्यादा प्रोडक्ट्स इस्तेमाल किए। वहीं, जो छात्र हेयर या ब्यूटी ट्यूटोरियल देखते थे, उनके बीच प्रोडक्ट इस्तेमाल करीब 40 फीसदी ज्यादा पाया गया।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों को ज़ब्त करेगा ईरान : पीजीएसए

तेहरान

ईरान ने रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथारिटी (पीजीएसए) ने चेतावनी दी है कि उसके निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों को भविष्य में जलडमरूमध्य से गुजरने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। इनमें जुर्माना, जहाज को रोकना और जब्त करना शामिल है।

ईरान की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

तथा तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने बताया कि पीजीएसए ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बयान जारी कर पर्शियन गल्फ से सामान लाने-ले जाने वाली शिपिंग कंपनियों और कार्गो मालिकों से कहा कि वे किसी जहाज को किराए पर लेने से पहले नियमों का पालन न करने वाले जहाज़ (एनसीवी) की अपडेटेड सूची की जांच करें।

ईरानी अथारिटी ने कहा है कि सूची में शामिल जहाजों के साथ सहयोग करने वाले दूसरे जहाजों को भी तत्काल प्रभाव से एनसीवी सूची में जोड़ा जा सकता है। इसमें शिप-टू-शिप (एसटीएस) ट्रांसफर, ट्रांसशिपमेंट और इस तरह की अन्य गतिविधियां शामिल हैं।

पीजीएसए के मुताबिक, सूची से नाम हटवाने के इच्छुक जहाज मालिकों को उचित कारणों के साथ औपचारिक आवेदन करना होगा। अथारिटी ने इसके लिए द्वठ्ठद्वश्चञ्चश्चद्दह्यड्ड.द्वह्ल पर आवेदन भेजने की प्रक्रिया बताई है।

ईरान की यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात पहले ही काफी प्रभावित है। रायटर्स के मुताबिक, 23 अगस्त को समाप्त सप्ताह में केवल 89 मालवाहक जहाज जलडमरूमध्य से बाहर निकले और 103 अंदर आए। यह संघर्ष से पहले के स्तर की तुलना में करीब 90 प्रतिशत कम गतिविधि है।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के अनुसार, 21 अगस्त तक होर्मुज और आसपास के क्षेत्र में 68 पुष्ट समुद्री घटनाएं दर्ज की गई थीं, जिनमें 19 नाविकों की मौत हुई थी।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। इसके जरिए पर्शियन गल्फ क्षेत्र से तेल और गैस की बड़ी मात्रा अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचती है। इसलिए यहां जहाजों की आवाजाही पर किसी भी तरह की पाबंदी का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग लागत पर पड़ सकता है। ईरान पहले भी कह चुका है कि जलडमरूमध्य को लेकर उसकी शर्तों और सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगस्त में ईरान ने कहा था कि होर्मुज को सामान्य रूप से खोलने के लिए अमेरिका को अपना व्यवहार बदलना होगा। होर्मुज को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव ऐसे समय बढ़ रहा है जब दोनों देशों के बीच कूटनीतिक प्रयासों में भी गतिरोध बना हुआ है। जून में पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता से दोनों पक्षों के बीच एक अंतरिम समझौता हुआ था, लेकिन बाद में इसके क्रियान्वयन और जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को लेकर मतभेद सामने आए।

17 अगस्त को इस समझौते की समयसीमा समाप्त होने के बाद भी कोई स्थायी समझौता नहीं हो सका। वहीं, जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद कम रहने के कारण बड़ी संख्या में वाणिज्यिक जहाज खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं।

ऐसे में पीजीएसए की नई चेतावनी से शिपिंग कंपनियों पर अनुपालन का दबाव और बढ़ सकता है और होर्मुज के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार की अनिश्चितता भी गहरा सकती है।

बलूचिस्तान के मस्तुंग में पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर हमला, 13 सैनिकों की हुई मौत

क्वेटा

बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में सैन्य काफिले पर हमले को लेकर बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बड़ा दावा किया है। संगठन के मुताबिक, आईईडी विस्फोट और उसके बाद घात लगाकर किए गए हमले में 13 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 10 से अधिक घायल हुए। हालांकि, इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बलूचिस्तान का आनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने कहा कि हमला 22 अगस्त को खदकोचा इलाके में किया गया। उनके मुताबिक, संगठन के लड़ाकों ने पहले एक बख्तरबंद सैन्य वाहन को आईईडी के जरिए निशाना बनाया। इसके बाद दूसरी बख्तरबंद गाड़ी और काफिले में शामिल अन्य वाहनों पर घात लगाकर हमला किया गया।

बीएलए ने दावा किया कि इस आपरेशन में उसके स्पेशल टैक्टिकल आपरेशन्स स्क्वाड के सदस्य शामिल थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुरुआती विस्फोट में एक बख्तरबंद वाहन नष्ट हुआ, जबकि दूसरा वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद हथियारबंद हमलावरों ने काफिले पर हमला किया और एक अन्य सैन्य वाहन को भी नुकसान पहुंचाया। हमले के बाद बलूचिस्तान गृह विभाग ने खदकोचा और आसपास के इलाकों में बीते 23 अगस्त सुबह 7 बजे से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया। वहीं, रविवार को बीएलए ने तुरबत के हीरबाद इलाके में एक अलग हमले का भी दावा किया।

संगठन के मुताबिक, इस हमले में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और तीन घायल हुए। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि हीरबाद में फ्रंटियर कार्प्स (एफसी) की रोड-सर्च टीम पर हमला हुआ था, लेकिन इसमें तीन जवान घायल हुए। अधिकारियों के अनुसार, तीन मोटरसाइकिलों पर सवार छह हथियारबंद लोगों ने टीम पर ग्रेनेड फेंके और गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। बीएलए ने नोशकी, कलात, खारन, वाशुक, ज़ेहरी और चगाई समेत बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में आठ अन्य अभियानों को अंजाम देने का भी दावा किया है।

अनोखे शौक के कारण चर्चा में मलेशिया की महिला एज़ैंड्रा चाई

लंदन। मलेशिया की महिला एज़ैंड्रा चाई सोशल मीडिया पर अपने अनोखे शौक के कारण चर्चा में रहती हैं। उनके घर में 150 से ज्यादा ऐसी गुड़ियों का संग्रह है, जिन्हें वह हान्टेड डाल यानी भूतिया गुड़ियां बताती हैं। उनका दावा है कि इन गुड़ियों में आत्माएं मौजूद हैं और वह उनके साथ एक विशेष तरह का संबंध रखती हैं। एज़ैंड्रा अपने इस अनोखे संग्रह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार साझा करती हैं। उनके संग्रह में कई बेहद पुरानी गुड़ियां हैं, जिनमें कुछ विक्टोरियन शैली की हैं, जबकि कुछ आधुनिक डिजाइन की हैं। कई गुड़ियों के चेहरे बेहद डरावने नजर आते हैं। एज़ैंड्रा के मुताबिक, ये सिर्फ सजावटी खिलौने नहीं हैं, बल्कि आत्माओं का घर हैं। उनका दावा है कि कुछ आत्माएं शांत हैं, कुछ सक्रिय हैं और कुछ को वह बेहद शक्तिशाली मानती हैं। महिला का कहना है कि उसने ये गुड़ियां दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से जुटाई हैं। कुछ गुड़ियां उसने खरीदी हैं, कुछ उसे उपहार में मिलीं और कुछ के साथ वह खुद कथित तौर पर आत्माओं को बाइंड करने यानी जोड़ने का काम करती हैं। इंटरनेट पर हान्टेड डाल्स का एक बाजार भी मौजूद है, जहां कई विक्रेता ऐसी गुड़ियां बेचते हैं, जिनके साथ किसी आत्मा या स्पिरिट के जुड़े होने का दावा किया जाता है। हालांकि इन दावों का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

रूस में उत्तर कोरियाई सैनिकों की नई तैनाती का संकेत नहीं : दक्षिण कोरियाई सेना

सियोल

दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार, रूस में उत्तर कोरियाई सैनिकों की तत्काल नई तैनाती के कोई संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, उत्तर कोरिया अतिरिक्त सैनिकों को रूस भेजने की संभावित तैयारी जारी रखे हुए है।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, दक्षिण कोरियाई मुख्य विपक्षी दल पीपल पावर पार्टी के सांसद यू योंग-वोन ने रविवार को सेना की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। सांसद को सौंपी गई रिपोर्ट में रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने कहा कि उत्तर कोरिया तैनाती की तैयारी जारी रख रहा है, लेकिन अतिरिक्त सैनिकों की तत्काल तैनाती से संबंधित कोई गतिविधि सामने नहीं आई है।

दक्षिण कोरियाई खुफिया आकलन ऐसे समय सामने आया है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पिछले महीने दावा किया था कि रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए अपने दक्षिण-पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र में करीब 30 हजार अतिरिक्त उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात करने की तैयारी कर रहा है।

दक्षिण कोरियाई सैन्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया आंतरिक स्तर पर अतिरिक्त सैनिक भेजने की संभावना के लिए तैयारी कर रहा है। हालांकि, अभी तक जमीन पर ऐसी कोई गतिविधि नहीं देखी गई है, जिससे तत्काल तैनाती की पुष्टि हो सके।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन और प्रभावशाली नेता किम यो-जोंग ने पिछले सप्ताह जेलेंस्की के अतिरिक्त सैनिक भेजे जाने के दावे को पूरी तरह निराधार बताया था।

उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य सहयोग बढ़ने के बाद से ही प्योंगयांग की ओर से रूसी सेना को सैनिक और हथियार उपलब्ध कराने को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बनी हुई है।

दक्षिण कोरियाई रक्षा खुफिया एजेंसी के अनुमान के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने अक्टूबर 2024 से अब तक रूस में 16 हजार से अधिक सैनिक भेजे हैं। इनमें से बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने या घायल होने की आशंका जताई गई है।

डीआईए का यह भी आकलन है कि उत्तर कोरिया ने रूस को 1.5 करोड़ से अधिक आर्टिलरी शेल यानी तोप के गोले उपलब्ध कराए हैं। दक्षिण कोरियाई सेना की ताजा रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया रूस को सैन्य सहयोग जारी रखने की तैयारी में है, लेकिन फिलहाल नई बड़ी सैन्य तैनाती के ठोस संकेत सामने नहीं आए हैं।

यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल बनाने में मदद करेगा ब्रिटेन, रूस ने दी चेतावनी

लंदन/कीव

ब्रिटेन ने यूक्रेन की लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ब्रिटिश सरकार ने रक्षा कंपनी एमबीडीए को लंबी दूरी की स्कैल्प मिसाइल में इस्तेमाल होने वाले ब्रिटिश घटकों से जुड़ी गोपनीय तकनीकी जानकारी जारी करने की अनुमति दी है। इसका उद्देश्य यूक्रेन में मिसाइलों की स्थानीय असेंबली लाइन स्थापित करने में मदद करना है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने सोमवार को यूक्रेन की अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के दौरान इस समर्थन की घोषणा की। यह यात्रा यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हो रही है। बर्नहम राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के साथ कोएलिशन आफ द विलिंग की बैठक की सह-अध्यक्षता भी करेंगे।

स्कैल्प फ्रांस में निर्मित लंबी दूरी की क्रूज

मिसाइल है, जबकि ब्रिटेन में इसका समकक्ष स्टार्म शैडो नाम से जाना जाता है। दोनों मिसाइलों में ब्रिटिश और फ्रांसीसी तकनीक का इस्तेमाल होता है।

ब्रिटिश सरकार के मुताबिक, गोपनीय जानकारी जारी किए जाने से फ्रांस और यूक्रेन को यूक्रेनी धरती पर मिसाइलों की स्थानीय असेंबली की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि यूक्रेन को यह स्पष्ट होना चाहिए कि ब्रिटेन आज भी और जरूरत पड़ने तक उसके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने यूक्रेन की सुरक्षा को ब्रिटेन की सुरक्षा से जोड़ते हुए रूस को भी ब्रिटेन के रुख को लेकर स्पष्ट संदेश दिया है। यह कदम ब्रिटेन के प्रोजेक्ट ब्रेकस्टाप के तहत यूक्रेन के लिए कम लागत वाली आधुनिक लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता विकसित करने के प्रयासों के साथ भी जुड़ा हुआ है। ब्रिटेन के इस फैसले से लंदन और मास्को के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका है। रूस पहले ही ब्रिटेन पर यूक्रेन को रूस के भीतर दूर तक हमला करने में मदद देने का आरोप लगाता रहा है।

मास्को ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन को हथियार और तकनीकी सहायता देने में ब्रिटेन की भूमिका जितनी बढ़ेगी, उसे इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी कहा है कि रूस के खिलाफ हमलों में ब्रिटिश हथियारों या तकनीक की सीधी भूमिका को मास्को युद्ध में ब्रिटेन की भागीदारी के रूप में देख सकता है।

यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगी अब केवल विदेशी हथियारों की आपूर्ति पर निर्भर रहने के बजाय देश के भीतर रक्षा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। स्कैल्प की स्थानीय असेंबली इसी रणनीति का हिस्सा है।

ब्रिटेन का ताजा फैसला यूक्रेन की लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ यूरोपीय रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को भी बढ़ावा दे सकता है। हालांकि, इससे रूस के साथ पहले से तनावपूर्ण संबंधों पर और दबाव पड़ने की संभावना है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है । व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नही तो समस्याएं बढते रहेगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें व किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 अगस्त 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 06:23 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 10:52 तक
योग : आयुष्मान प्रातः 07:41 तक
करण : बालव प्रातः 06:23 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत , मंगलागौरी व्रत-पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के चौथे दिन प्रवाहित हुई वैदिक ज्ञान की गंगा

यज्ञ, वेद प्रवचन और भजनों से गूंजा आर्य समाज सुल्तान बाजार, श्रद्धालुओं ने लिया आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य समाज महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार में आयोजित श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के चौथे दिन प्रातःकाल एवं सायंकालीन सत्रों में धार्मिक, वैदिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपन्न हुए। दोनों सत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ, वेद प्रवचन, भजन एवं आध्यात्मिक चिंतन का लाभ प्राप्त किया।

वैदिक यज्ञ के माध्यम से संस्कारों का संदेश

प्रातःकाल एवं सायंकाल माता निर्मला योग भारती के ब्रह्मत्व में तथा डॉ. मैत्रेयी शास्त्री, श्रीमती स्फूर्ति एवं आचार्य मिथिलेश शास्त्री के ऋत्विकत्व में वैदिक यज्ञ संपन्न कराया गया। यज्ञ में श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए वैदिक संस्कारों एवं यज्ञ की महत्ता को समझा। यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण शुद्धि, आध्यात्मिक अनुशासन और वैदिक जीवन-पद्धति के महत्व का संदेश दिया गया।

ओ3म् को बताया परमात्मा का सर्वोत्तम वैदिक नाम

इसके पश्चात दिल्ली-एनसीआर से पधारे प्रसिद्ध वेद विद्वान डॉ. जयेंद्र कुमार शास्त्री ने प्रेरणादायक प्रवचन दिया। उन्होंने वेदों के संदेश, ईश्वर के स्वरूप तथा दैनिक जीवन में वैदिक विचारों की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 'ओ3म्' के आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व को सरल भाषा में समझाते हुए कहा कि ओ3म् परमात्मा का सर्वोत्तम वैदिक नाम है। इसका चिंतन मनुष्य को सत्य, शांति, सदाचार और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करता है।

भजनों से भक्तिमय हुआ वातावरण

प्रातःकालीन एवं सायंकालीन दोनों सत्रों में पंडित भूपेंद्र आर्य ने ओ3म् एवं वैदिक जीवन-दर्शन पर मधुर भजनों और प्रभावशाली उपदेश के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेरित किया। उनके साथ कृष्ण पाल शर्मा ने संगीत की सुंदर संगति प्रदान की।दोनों ने 'सबसे प्यारा ओ3म् हमारा' जैसे मधुर भजन की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भी भक्ति एवं आध्यात्मिक भाव में डूबे नजर आए।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया लाभ

प्रातःकाल एवं सायंकाल आयोजित दोनों सत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर वैदिक ज्ञान, यज्ञ, भजन एवं प्रवचन का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में वेदों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वैदिक संस्कृति, संस्कार और सदाचार के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के आयोजन से आर्य समाज सुल्तान बाजार में निरंतर वैदिक ज्ञान, यज्ञ एवं आध्यात्मिक चिंतन का वातावरण बना हुआ है। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को वैदिक जीवन-पद्धति को समझने और उसे अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पारीक समाज एवं पारीक युवा मंच की नई कार्यकारिणी का गठन

दामोदर जोशी समाज अध्यक्ष और केदार व्यास युवा मंच अध्यक्ष चुने गए

निजामाबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पारीक समाज एवं पारीक युवा मंच के वर्ष 2026-2027 के चुनाव सोमवार को संपन्न हुए। चुनाव के बाद समाज एवं युवा मंच की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी में पारीक समाज के अध्यक्ष पद पर दामोदर जोशी, उपाध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार तिवाड़ी, मंत्री पद पर श्याम सुंदर तिवाड़ी, उपमंत्री पद पर सतीश कुमार व्यास तथा कोषाध्यक्ष पद पर कैलाश व्यास का चयन किया गया।

पारीक युवा मंच के पदाधिकारी

पारीक युवा मंच के संचालक पद पर किशोर कुमार तिवाड़ी, अध्यक्ष पद पर केदार व्यास, उपाध्यक्ष पद पर मिखिल शर्मा, मंत्री पद पर गणेश तिवाड़ी, उपमंत्री पद पर कृष्णा पुरोहित तथा कोषाध्यक्ष पद पर उमेश (सोनू) व्यास का चयन किया गया।

कार्यकारिणी सदस्य

नई संयुक्त कार्यकारिणी में रविंदर तिवाड़ी, रोशन लाल बोहरा, राजेश पुरोहित, रामनिवास पारीक, आनंद (श्रीनिवासजी) पारीक, विपुल तिवाड़ी, निखिल पारीक, तनिष्क शर्मा, घनश्याम पुरोहित, घनश्याम व्यास तथा विजय (श्री वल्लभजी) तिवाड़ी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

नई कार्यकारिणी के गठन के बाद समाज के सदस्यों एवं युवाओं में उत्साह का माहौल है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज की एकजुटता, सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

नंदोत्सव के लिए राजस्थान सरकार के मंत्रियों को दिया निमंत्रण

जयपुर, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति, जयपुर केंद्र की ओर से आगामी 6 सितंबर को जन्माष्टमी विशेष नंदोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

अष्ट सिद्धि-नव निधि के धारक एवं ईश्वरीय सत्ता से विभूषित पूज्य श्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन सान्निध्य में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारियां व्यापक स्तर पर चल रही हैं।

इसी क्रम में कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह चौधरी ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम, उद्योग मंत्री के.के. बिश्नोई तथा ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने सभी को आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए विधिवत निमंत्रण प्रदान किया।

इस अवसर पर बालोतरा विधायक अरुण चौधरी, सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा, राष्ट्रीय कन्वीनर, सह-अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मीडिया संयोजक कमल आत्रेय, युवा अध्यक्ष श्रीकांत विभूतिया, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, चंद्रमोहन शर्मा, कैलाश मीणा सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले राजधानी जयपुर के प्रथम पूज्य मोती डूंगरी श्रीगणेश मंदिर, पंचमुखी हनुमानजी मंदिर, आराध्यदेव श्री गोविंददेवजी मंदिर तथा तारकेश्वर महादेव मंदिर में वंदनीय प्रार्थना एवं पूजा-अर्चना के साथ परमात्मा को भी नंदोत्सव कार्यक्रम का निमंत्रण दिया गया।

टोंक रोड पर चोखी ढाणी के समीप स्थित बीलवा पैलेस में रविवार, 6 सितंबर की शाम 4 बजे से नंदोत्सव के रूप में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन में रंगारंग आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ दिव्य मंत्रों और प्रार्थनाओं का आयोजन होगा।

आयोजकों के अनुसार, नंदोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं और समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति की ओर से विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं।

सेवा परमो धर्म संस्था ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

35 पुलिसकर्मियों की कलाई पर बंधा रक्षासूत्र, बहनों ने की लंबी उम्र और उज्ज्वल भविष्य की कामना

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा परमो धर्म संस्था की ओर से देश एवं समाज की सुरक्षा में दिन-रात तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में रक्षाबंधन का पावन पर्व उत्साह, श्रद्धा और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की बहनों ने 35 पुलिसकर्मियों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह विशेष आयोजन सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पास अल्फा होटल के सामने स्थित टकरा बस्ती रेलवे ऑफिसर्स कॉलोनी (स्टेशन बोईगुड़ा) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉर्पोरेटर दीपिका नरेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। वहीं एसओ भवानी शंकर, एसआई वेंकट रेड्डी एवं एसआई सुभाष राव सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर संस्था की 30 महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बहनों ने पुलिसकर्मियों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर स्नेह और सम्मान का रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान वातावरण भावुक एवं आत्मीय हो उठा। राखी बंधवाने के बाद पुलिसकर्मियों ने संस्था की बहनों के निस्वार्थ स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया और उनकी सुरक्षा का अटूट संकल्प लिया। पुलिसकर्मियों की ओर से बहनों को धन्यवाद स्वरूप उपहार भी भेंट किए गए। खाकी वर्दीधारी जवानों के साथ मनाया गया यह रक्षाबंधन समाज में सेवा, सम्मान, सुरक्षा और भाईचारे का प्रेरणादायक संदेश बन गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था की सदस्य मोना वर्मा एवं मेघा सिंघीं ने समाज के रक्षकों के सम्मान का ऐसा अवसर प्राप्त होने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी संस्था सदस्यों एवं पुलिसकर्मियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

श्रावण के दूसरे सोमवार को श्री मल्ला रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में लक्ष बिल्वर्चना

पेद्दापल्ली, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली कस्बे स्थित श्री मल्ला रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में श्रावण माह के दूसरे सोमवार के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर के पुरोहितों ने भगवान शिव को समर्पित लक्ष बिल्वर्चना कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान शिव के दर्शन के लिए कतारों में खड़े रहे। श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना में भाग लेकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के पुरोहित मधु श्रीनिवास ने बताया कि श्रावण माह भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है। इसी श्रद्धा के साथ श्रावण के दूसरे सोमवार को मंदिर में लक्ष बिल्वर्चना का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव के दर्शन एवं विशेष पूजा-अर्चना की।

पोचम्मा मंदिर निर्माण के लिए विधायक महिपाल रेड्डी ने दिए 12 लाख रुपये

पेद्दापल्ली, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिन्नाराम नगरपालिका केंद्र में माला संगम के तत्वावधान में निर्माणाधीन श्री श्री श्री पोचम्मा थल्ली मंदिर के लिए पटांचेरु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी ने अपने निजी धन से 12 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। सोमवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, बीआरएस नेताओं और ग्रामीणों की मौजूदगी में मंदिर समिति को राशि सौंपी गई।

विधायक महिपाल रेड्डी ने कहा कि मंदिर, मस्जिद, चर्च और आश्रम सामाजिक एकता के केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र में अपने निजी धन से 200 से अधिक धार्मिक स्थलों के निर्माण में सहयोग किया गया है। उन्होंने आगामी 30 अगस्त को होने वाले मंदिर के उद्घाटन समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने की अपील की।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष जनार्दन, कुमार गौड़, वेंकटेश गौड़ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, नेता, मंदिर समिति के सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनसेवा आवेदनों का शीघ्र निपटारा करें : अतिरिक्त कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु ने अधिकारियों को जनसेवा कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट के बैठक कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जनता से विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए।इस दौरान आवास, रोजगार, भूमि पट्टा और विधवा पेंशन से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अतिरिक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने और आवेदनों को लंबित न रखने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट एओ बी. प्रकाश सहित संबंधित जिला अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति बकाया राशि जारी करने की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

बांसवाड़ा, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार से लंबित छात्रवृत्ति एवं फीस की बकाया राशि तत्काल जारी करने की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर चौराहे पर काले बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव की 48 घंटे की भूख हड़ताल के समर्थन में किया गया।

भाजपा शहर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने आरोप लगाया कि करीब 15 हजार करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति लंबित होने से लाखों छात्र प्रभावित हो रहे हैं और कई विद्यार्थियों को पढ़ाई बीच में छोड़ने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ने जल्द छात्रवृत्ति जारी नहीं की तो भाजपा के नेतृत्व में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में भाजपा के जिला पदाधिकारी, पार्षद, किसान मोर्चा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

बांसवाड़ा, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर की टीचर्स कॉलोनी निवासी 43 वर्षीय जलसानी किशोर की सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, किशोर 23 अगस्त की रात करीब 11 बजे निजी काम पूरा कर इलेक्ट्रिक स्कूटी से घर लौट रहे थे। बोधन रोड स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास बारिश के दौरान उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शिक्षकों की नियुक्ति की मांग को लेकर छात्रों ने निकाली रैली

बांसवाड़ा, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा राजकीय जूनियर कॉलेज के छात्रों ने नागरिक शास्त्र और प्राणीशास्त्र विषयों की नियमित पढ़ाई नहीं होने के विरोध में रैली निकाली। छात्रों ने कॉलेज से आरडीओ कार्यालय तक रैली निकालकर आरडीओ रविंदर रेड्डी को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने आरोप लगाया कि पिछले एक वर्ष से समस्या से अवगत कराने के बावजूद शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई। उन्होंने दोनों विषयों के लिए शिक्षकों की नियुक्ति कर नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण कक्षाएं संचालित करने की मांग की। छात्रों ने कहा कि पढ़ाई प्रभावित होने से बड़ी संख्या में विद्यार्थी नागरिक शास्त्र में असफल हो रहे हैं। आरडीओ रविंदर रेड्डी ने छात्रों को आश्वासन दिया कि संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर शिक्षकों की नियुक्ति और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जानिये पंजाबी दुल्हनें क्यूं पहनती हैं चूडा

अगर आप किसी पंजाबी फ्रेंड की शादी में गई होंगी, तो आपने दुल्हन को चूडा पहने हुए जरुर देखा होगा। वैसे तो दुल्हनें ढेर सारी ज्वैलरी पहनती हैं मगर उनमें से चूडे का महत्व सबसे ज्यादा होता है। आज कल तो चूडा पहनने का रिवाज ना सिर्फ पंजाबियों में ही बलकि भारत के अलग अलग कोनों में भी होने लगा है।

पंजाबियों में शादी के दिन होने वाली दुल्हन के घर पर चूडा और कलीरा नामक सेरेमनी भी होती है। इन लाल रंग की चूडियों का आखिर इतना महत्व क्यूं है और इसे क्यों पहना जाता है, आज हम इसी के बारे में खुलासा करेंगे।

क्या है चूडे से जुड़ हुए रिवाज

चूडा सेरेमनी शादी की सुबह दुल्हन के घर पर ही होती है। दुल्हन के मामा, उसके लिये चूडा ले कर आते हैं, जिसमें लाल और सफेद रंगों की 21 चूडियां होती हैं। दुल्हन इस चूडे को तब तक नहीं दे पाती है जब तक की वह पूरी तरह से तैयार ना हो जाए और मंडप पर दुल्हे के साथ ना बैठ जाए।

साल भर तक पहनना होता है चूडा

पंजाबी रिवाज के हिसाब से दुल्हन को लगभग 1 साल तक चूडा पहनना होता है। हांलाकि आज कल दुल्हने ज्यादा से ज्यादा 40 दिनों तक ही इसे पहनती हैं।

चूडे का महत्व

चूडा, शादी शुदा होने का प्रतीक है। साथ ही यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत भी होता है। यह पति की भलाई के लिए भी पहना जाता है।

चूडे की रस्म

दुल्हन को चूडा शादी के मंडप में ही उसकी मामा जी ही देते हैं। उस दौरान दुल्हन की आंखें उसकी मां बंद कर देती हैं।

जिससे वह चूडे को ना देख पाएं नहीं तो खुद उसी की नजर उस चूडे पर लग जाएगी। चूडे को शादी की एक रात पहले दूध में भिगो कर रखा जाता है।

चूडा उतारने की रस्म

पहले के जमाने में जब चूडा उतारना होता था तब घर पर छोटा सा आयोजन किया जाता था। उसमें दुल्हन को शगुन और मिठाई दी जाती थी और फिर चूडा उतार कर उसकी जगह पर कांच की चूडियां पहना दी जाती थीं। चूडे को किसी नदी के पास उतारा जाता था और छोटी सी पूजा के बाद नदी में ही उसे बहा दिया जाता था।

कलीराकी रस्म

हर पंजाबी दुल्हन अपनी चूडियों में कलीरा बांधती है जो उसकी प्रिय सहेलियों ने बांधा होगा। कलीरा की सेरेमनी ठीक चूडा सेरेमनी के बाद होती है।

जब सिर पर गिरे कलीरा

एक बार जब कलेरी दुल्हन की चूडियों के साथ बांध दी जाती है, तब उसे अपने हाथों को अपनी सिंगल सहेलियों के सिर पर झटकना होता है। फिर कलीरा जिसके सिर पर भी गिरती है, शादी का नेक्सट नंबर उसी का होता है।

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिये अपनाएं ये उपाय

घर, जिससे हम ना चाह कर भी कुछ नहीं छुपा सकते। इसकी रंगीन दीवारे चुपके से हमारी सीरी बाते सुन रही हैं, हवा में लहराते पर्दे हमारी खुशियों में झूम रहे हैं। बिसतर पर बिछी चादर खुद में हमारे आंसूओं को समेट रही है और घर के दरवाज़े, आने वाल हर शख्स की आहट को पहचानते हैं।

घर इतने करीब रह कर हमारा घर स्वयं में हमारी नकारात्मक ऊर्जा को समेट लेता है जो कई बार हमारी उदासी या जीवन में पैदा होने वाली रूकावटों का कारण बनते हैं।

ऐसी नकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर निकालने के लिए हम आपके लिए कुछ उपाय ले कर आए हैं। तो अगर आपको भी ऐसा लगता है कि घर में घुसते ही तनाव का माहौल भर उठता है और मन में उदासी होने लगती है तो आपको जरुर आजमाने चाहिये ये तरीके।

1 घर की पेंटिंग कराएँ

हमारी नकारात्मक ऊर्जा केवल हमारे साथ नहीं चलती बल्कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बस जाती है। घर के पर्दे, दीवारे या घर का फर्नीचर हमें हमारे मुश्किल वक्त का एहसास कराता रहता है, जैसे उस ने भी वह पल जीया हो।

अत: अगर आप किराए पर घर ढूंढ रहे हैं तो बेहतर होगा कि एक वेल फर्निश्ड घर की बजाय एक खाली मकान खरीदें।

घर में प्रवेश करने से पहले मकान मालिक से कह कर घर की पेंटिंग कराएं तथा प्रवेश करने से एक दिन पहले पूरे घर में नमक के पानी से पोछा लगाएं एवं घर के दरवाजे एवं खिडकियों को भी अच्छे से पोछें।

2 ताजी हवा एवं धूप

सूरज की किरणों घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने में बहुत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। घर की सारी खिडकियों व दरवाजों को खोलें और ताजी हवा को अंदर आने दें। आप चाहें तो पंखा भी चला सकते हैं।

3 नमक के पानी से फर्श पोछें

एक बाल्टी पानी में एक कप मोटा नमक डालें और इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएं। नमक को काफी शुभ माना जाता है तथा कुछ लोग घर खाली करते वक्त घर में नमक छोड कर जाते हैं। नमक आपके घर में नकारात्मकता को प्रवेश करने से रोकता है। यदि आप अपने घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखना चाहते हैं तो माह में एक दिन इस नमक वाले पानी से अपने घर में पोछा लगाएं।

4 अगरबत्ती या धूप जलाएं

अगरबत्ती और धूप में मौजूद खुशबू आपके घर को महक से भर देगी। ये सुगंधित चीजें आपके घर को एक नई ऊर्जा के साथ भरती हैं।

5 तिल का तेल जलाएं

कहते हैं कि तिल के तेल को जलाने से आपके आस-पास बुरी शक्तियां नहीं भटकती। यह काला जादू को भी विफल करने की शक्ति रखता है।

6 भजन सुनें व गायत्री मंत्र का उच्चारण करें

यदि आपको कोई मंत्र या शल्को आता है तो रोज सुबह नहाने के बाद उसका उच्चारण करें। घर के वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए किसी भजन गायक की सीडी चलाएं। इस तरह आपका मन शांत रहेगा एवं आप अपने दिन की शुरूआत सही तरीके से कर पाएंगे। यह आदत आपके ध्यान को केंद्रित रखती है एवं आपके मन में बुरे विचारों को पनपने से रोकती है। चाहे तो इसे आजमा कर देख सकते हैं।

7 पूजा व हवन

घर में प्रवेश करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लें। इसके लिए आप किसी पंडित को बुलाकर हवन या पूजा करवाएं। भगवान के आशीर्वाद से रखा गया पहला कदम आपके लिए शुभ साबित होगा।

8 ध्यान

ध्यान, आपके विचलित मन को शांति से भरता है। ध्यान करने के बाद व्यक्ति को सुकून महसूस होता है। प्राणायाम वायु के माध्यम से आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को बाहर निकालता है। प्राणायाम से आप अपनी भावनाओं पर काबू पा सकते हैं।

9 बेकार पडी चीजों को दान करें

अक्सर हमारे पास पुरानी चीजों का अंबार लगा होता है। इन पुरानी चीजों के साथ हमारी पुरानी यादें भी जुडी होती हैं। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी। जब तक आप पुरानी चीजों को निकाल बाहर नहीं करेंगे नई चीजों के लिए स्थान नहीं बनेंगे। आप चाहें तो इन चीजों को दान में दे सकते हैं या बेच भी सकते हैं।

10 अपने घर को व्यवस्थित रखें

घर के कोनों की अच्छे से सफाई करें तथा टूटी व बेकार पडी चीजों को बाहर फेंके। अपने घर को साफव सही ठंग से सजाकर रखें क्योंकि खूबसूरत वस्तु अपनी जगह पर सजी अच्छी लगती है। ऐसे सजे हुए घर में बैठकर आपको भी अच्छा महसूस होगा और इसका सीधा प्रभाव आपके मन पर पडेगा।

सत्य का ज्ञान

जाबाल के पुत्र सत्यकाम गुरुकुल में रहकर ब्रहम के सत्य के बारे में जानना चाहते थे। मां जाबाल की आज्ञा लेकर वे गौतम ऋषि के आश्रम चले आए। ऋषि ने चार सौ दुर्बल गायों को उन्हें सौंपते हुए कहा, 'वत्स। इन गायों के स्वस्थ होने के साथ-साथ जब इनकी संख्या भी बढ जाए , तब मेरे पास आ जाना। सत्यकाम उन गायों को लेकर तुरंत वन चले गए। दिन-रात गायों की हिंसक पशुओं से सुरक्षा और उनकी देखभाल ही उनकी साधना बन गई।

जंगल की खुली हवा, ताजा घास और स्वच्छ पानी मिलने के कारण समय के साथ न केवल गायें पूरी तरह स्वस्थ हो गईं, बल्कि उनकी संख्या भी पूरी एक हजार हो गई। गायों के निंरतर ध्यान, शुद्ध एवं शांत वातावरण ने सत्यकाम को पूरी तरह एकाग्रचित्त बना दिया। उनकी सेवा रूपी तपस्या से ईश्वर उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें ब्रहम का ज्ञान हो गया। जब वे गायों को लेकर आश्रम पहुंचे, तो उनकी उपलब्धियां देखकर आचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए। तब सत्यकाम ने उनसे ब्रहमज्ञान का उपदेश देने का आग्रह किया। इसके जवाब में आचार्य ने कहा कि तुम्हें सत्य का ज्ञान हो गया है। अब और किसी उपदेश की जरूरत नहीं है। तब सत्यकाम ने उनसे कहा कि वह अपने गुरु के मुख से सत्य को, ब्रहम को जानना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने आचार्य से संपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया। सत्यकाम पूर्ण ज्ञानी होकर वापस घर आ गए और शांति के साथ अपने धर्म का पालन करने लगे।

भूल कर भी न करें ये 5 काम, इनसे मिलता है अपमान

जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब मान-सम्मान की रक्षा के लिए लोगों ने अपने प्राण भी गंवा दिए।

इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें उनके बुरे कामों के कारण जीवन में कभी न कभी अपयश यानी अपमान का सामना करना पडता है। गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पडता है। आज हम आपको उन्हीं कामों के बारे में बता रहे हैं। गरुण पुराण के अनुसार वो 5 काम इस प्रकार हैं-

शलोक-

दाता दरिद्रः कृपणोर्थयुक्तः पुत्रोविधेयः कुजनस्य सेवा।
परापकारेषु नरस्य मृत्युः प्रजायते दुश्चरितानि पञ्च।।

अर्थात - 1. दरिद्र होकर दाता होना, 2. धनवान होने पर भी कंजूस होना, 3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना, 4. दुष्ट लोगों की सेवा करना तथा 5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना। इन 5 कामों से अपमान ही मिलता है।

1. दरिद्र होकर दाता होना

जब कोई गरीब व्यक्ति अपनी हैसियत से अधिक दान देता है तो उसे व उसके परिवार को धन से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पडता है। यदि ऐसा वह बार-बार करता है तो कई बार स्थिति बहुत ही कठिन हो जाती है। ऐसा कुछ लोग दूसरों को दिखाने के लिए भी करते हैं, लेकिन इस दिखावे में वह यह भूल जाते हैं कि इसके कारण उसके परिवार को परेशानी हो सकती है। इसलिए दान देते समय अपनी आर्थिक स्थिति जरूर देख लेना चाहिए, नहीं तो आगे जाकर अपमान का सामना करना पड सकता है।

2. धनवान होने पर भी कंजूस होना

अगर आपके पास पर्याप्त धन है और फिर भी आप कंजूस हैं तो इसके कारण भी आपको अपमानित होना पड सकता है। सोच-समझकर पैसा खर्च करना अच्छी बात है, लेकिन जब ये जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो आप कंजूस की श्रेणी में आ जाते हैं। जिस जगह जितना खर्च करना जरूरी है, उतना तो करना ही चाहिए। अगर आप वहां से भी पैसा बचाने की कोशिश करेंगे तो लोग आपको कंजूस ही समझेंगे। कंजूस लोगों को अपनी इस आदत के कारण कई बार अपमान का सामना करना पडता है। इसलिए पैसों का सही उपयोग करें, लेकिन कंजूस न बनें।

3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना

जिस व्यक्ति का पुत्र उसके कहने में नहीं होता, उसे भी परिवार, समाज के सामने अपमानित होना पडता है। पुत्र आज्ञाकारी नहीं होगा तो वह अपनी मनमानी करेगा। कई बार ऐसे पुत्र कुछ ऐसा काम कर देते हैं, जिसके कारण न सिर्फ पिता को बल्कि पूरे परिवार व कुटुंब को ही अपमान झेलना पडता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां पुत्र के कारण पिता को अपमानित होना पडा जैसे- दुर्योधन के कारण धृतराष्ट्र का राजपाठ ही नहीं बल्कि पूरे परिवार का ही नाश हो गया। इसलिए कहते हैं कि पुत्र आज्ञाकारी हो तो इससे बडा सुख दुनिया में और कोई नहीं है। और यदि पुत्र अपने पिता की बात नहीं मानता तो इससे बडा कोई दुख नहीं है।

> गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पडता है। जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए।

4. दुष्ट लोगों की सेवा करना

जो लोग दुष्ट यानी बुरे काम करने वाले लोगों के साथ रहते हैं व उनकी सेवा करते हैं अर्थात उनकी बात मानते हैं, ऐसे लोगों को भी अपने जीवन में कभी न कभी अपमानित जरूर होना पडता है। जो लोग बुरे काम करते हैं, वे हमेशा अपने निजी स्वार्थ के बारे में सोचते हैं। जरूरत पडने पर वह अपने साथी को भी बलि का बकरा बना सकते हैं। जिस दिन इन लोगों की सच्चाई सामने आती हैं इनके परिवार वालों की भी शर्मिंदा होना पडता है। उनके साथ-साथ ऐसे लोगों के साथ रहने वाले लोगों भी अपमानित होना पडता है। इसलिए बुरे काम करने वाले लोगों से दूर रहने में भलाई है।

5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना

अगर किसी का नुकसान करते हुए आपकी मौत हो जाती है तो ये भी अपमान का कारण है। हालांकि मृत्यु के बाद मान-अपमान का कोई महत्व नहीं रह जाता, लेकिन आपकी सालों से कमाई इज्जत पर इसका असर जरूर पडता है। आपके परिवार व आने वाली पीढियों को भी आपके द्वारा किए गए इस काम के कारण शर्मिंदा होना पड सकता है। इसलिए कभी भी किसी का नुकसान नहीं करना चाहिए , यहां तक कि सोचना भी नहीं चाहिए।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

कुशाः काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दकाः। गोधूमा ब्राहमयो मौन्जा दश दभा : सबल्वजाः।।

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

स्टडी रूम के दक्षिण-पूर्व में लगाएं मनीप्लांट

फेंगशुई का उपयोग आज कल बहुत तेजी से बढ गया है। खासकर लोग इनको अपनी समस्यायों के समाधान के लिए ज्यादा प्रयोग करते हैं, फेंगशुई का प्रयोग हम एकाग्रता बढाने के लिए भी कर सकते हैं, जानते हैं कैसे।

- अपनी स्टडी रूम में हरे पर्दों का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हे तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।
- स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घडियां नहीं होनी चाहिए , क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।
- अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल की वस्तुएं रखें जैसे कांच के हनुमान जी, गणेश जी, पिरमिड, प्रिज्म, और एजुकेशन टावर रखें।
- सकारात्मक ऊर्जा और पढाई में एकाग्रता के लिए पढाई के कमरे के दक्षिण-पूर्व कोने में मनी प्लांट लगाएं तथा उत्तर-पूर्व दिशा में फिश एक्वेरियम रखें।
- विधार्थी अपनी स्टडी टेबल पर ईशान कोण में ग्लास हैंडीक्राट की मूर्ति रखें, इससे शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है व अपेक्षित परिणाम मिलते है। उनके मित्र भी सक्रिय होकर उनकी मदद करते हैं।
- विधार्थी अपनी पूर्व की दीवार साफ-सुथरी रखें। हरा बल्ब, हरा पौधा, हरा पिरामिड पूर्व में रखें। बैंबू प्लांट भी रख सकते हैं।
- स्टडी रूम के लिहाज से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा का कमरा बेहतर माना जाता है। साथ ही अगर बच्चा ईशाण कोण या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पढता है तो परिणाम बेहतर होंगे। ऐसे में कमरे की इस दिशा में क्वाट्‌र्ज क्रिस्टल को रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहेगा।
- शतरंज-रणनीति, किताबें-अध्ययन, पेंटिंग-रचनात्मकता और बांसुरी-संगीत का प्रतिनिधित्व करता है। लिहाजा स्टडी रूम के उत्तर-पूर्व दिशा में इन चिन्हों को रखने से शैक्षणिक सफलता मिल सकती है।
- कई बार कमरे में सारी चीजें सही दिशा और सही जगह पर रहने के बाद भी सकारात्मक प्रभाव नहीं मिलता। ऐसे इसलिए होता है कि क्योंकि कमरे में स्थिरता आ जाती है। ऐसे में कमरे को पुन:व्यवस्थित करें और चीजों को नए क्रम में सजाएं। साथ ही सप्ताह में एक बार बच्चों के स्टडी रूम में नमक के पानी से पोछा लगाएं। इससे भी कमरे में पॉजिटिव माहौल बना रहता है।
- बच्चों के अध्ययन कक्ष में यदि आईना है तो उसे इस तरह से न रखें कि पढाई करते वक्त उसमें बच्चों की परछाई पडे, क्योंकि इससे बच्चों की पढाई का बोझ दोगुना हो सकता है।

ऐसा करेंगे तो शिव होंगे जल्द प्रसन्न

देवों के देव महादेव सबसे जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं।

शिव पूजा करते समय बिल्वपत्र, कमल, कुश, दुर्वा, धतूरा, आक, कनेर, श्रंगार, शमी, शहद, दुग्ध, कुषा, ईख, गंगा जल, और ऋतु फल के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने से भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्रावण माह में यदि शिव को प्रसन्न करना है, तो उनकी आराधना जरूर करनी चाहिए।

इसीलिए सप्ताह के सातों दिन शिव की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि रविवार को शिव आराधना करने से पाप का नाश होता है। सोमवार को शिवलिंग की पूजा करने पर धन लाभ, मंगलवार को शिवपूजा करने पर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। बुधवार को शिवपूजा करने से संतान प्राप्ति होती है।

गुरुवार को शिव की आराधना करने से आयु में वृद्धि होती है। शुक्रवार को शिव की पूजा करने पर इंद्रिय सुखों की प्राप्ति होती है और शनिवार को भगवान शिव की आराधना करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण माह में सप्ताह के सातों दिन पूजा करने पर भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।

सावन में क्यों पहननी चाहिए हरी चूड़ियां, क्या है इस रंग को उपयोग करने के लाभ

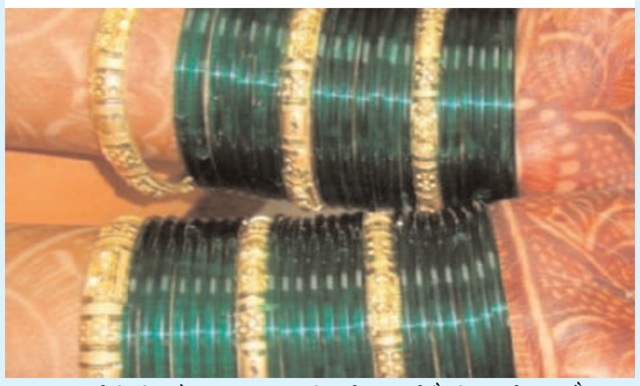

सावन की रिमझिम के साथ हर तरफ हरियाली छा जाती है। जिधर भी नजर दौड़ा कर देखा जाए प्रकृति के सौन्दर्य का दर्शन होता है। कुदरत के बदले स्वरूप के साथ महिलाओं के श्रृंगार में भी परिवर्तन आ जाता है। प्रकृति से एकाकार होने के लिए वह हाथों में हरी मेंहदी रचाती हैं, हरे वस्त्र और हरी चूड़ियां धारण करती हैं। धार्मिक महत्व की दृष्टि से देखा जाए तो सावन के महीने में हरे रंग का अधिक से अधिक उपयोग करने से सोया भाग्य जागृत होता है। हिंदू शास्त्रों में प्रकृति को परमात्मा का दर्जा दिया गया है इसलिए उसका पूजन करने का विधान है। ज्योतिषी विद्वान मानते हैं कि हरा रंग सौभाग्य का प्रतीक है।

सावन माह में सुहागिनों के बहुत सारे पर्व आते हैं, जिनमें कज्जली तीज और हरियाली तीज मुेय हैं। इन पर्वों पर हरे वस्त्र, हरी चूड़ियां और मेंहदी लगाने का नियम प्राचीनकाल से ही चला आ रहा है। इससे श्री और सौभाग्य में वृद्धि होती है, पति-पत्नी के संबंध प्रगाढ़ बनते हैं।

हरे रंग का संबंध बुद्ध ग्रह से है। उनके शुभ प्रभाव से व्यक्ति की जीविका में उतार-चढ़ाव आते हैं। करियर और व्यापार में शुभता के लिए इस महीने में अधिक से अधिक हरे रंग का प्रयोग करके बुद्ध देव को प्रसन्न करें। जो सुहागन महिलाएं ऐसा करती हैं उनके घर में सेपन्नता और धन-धान्य बढ़ता है।

जो लोग सावन में हरा रंग धारण करते हैं, भगवान शिव उन पर विशेष अनुकंपा बरसाते हैं। सावन में प्राकृतिक सामग्री से शिव पूजन किया जाता है, जिससे भोले बाबा खुश होते हैं। जो लोग स्वयं को प्रकृति के अनुरूप ढाल लेते हैं, वह शिव जी के प्रिय बन जाते हैं। जो महिलाएं सावन माह में हरे रंग की चूड़िया पहनती हैं, श्री हरि विष्णु उन पर प्रसन्न होते हैं।

सकारात्मक ऊर्जा में बढ़ौतरी के लिए हरा रंग खास भूमिका निभाता है। पति-पत्नी के रिश्ते में मिठास भरने के लिए बेडरुम के दक्षिण पूर्व हिस्से को हरे रंग से पुतवाएं।

आपके घर का दर्पण बदल सकता है आपकी किस्मत

अगर आप वास्तु शास्त्र की बात करें तो इसमें सबसे शक्तिशाली चीजें में एक दर्पण को माना गया है। इस बात का अंदाजा आप इसी से लगाया जा सकता है कि दर्पण वास्तु शास्त्र में किसी भी प्रकार के वास्तु-दोष निवारण के लिए काफी उपयोगी माना गया है। दर्पण में अप्रत्याशित सौभाग्य, धन-संर्पा, और घर में हर्षोल्लास लाने की क्षमता होती है। लेकिन यह भी माना जाता है कि अगर इसका प्रयोग घर के सही स्थान पर नहीं किया गया है तो यह नकारात्मकता को भी उतनी ही शक्ति से बढ़ाता है। दर्पण जितना भाग्य को आकर्षित करता है उतना ही दुर्भाग्य को भी। आइए आपको बतातें है इसकी सावधानियों के बारे में-

» तिजोरी के सेमुख रखा दर्पण धन में दिन दुगुनी, रात चौगुनी वृद्धि करता है।

»- घर में खाने की डाइनिंग टेबल के सेमुख रखा दर्पण घर में अखंड धन-धान्य का कारक होता है।

» प्रयास करें कि दर्पण जिस भी दीवार पर लगायें, फर्श से उसकी ऊंचाई 4 से 5 फीट हो।

-» घर में यथासंभव चौकोर या आयताकार शीशा ही लगायें।

-» दर्पण को घर की डोर और पूर्व दिशा की दीवार पे लगाना सबसे डोम रहता है।

-» अपने ड्रेसिंग टेबल में एक बड़ा शीशा लगाये और इसे अपने बिस्तर के साइड में लगाये ताकि सोते समय आप शीशे में ना दिखें। ऐसा करना शुभ माना जाता है।

» - यदि आपके घर का कोई कोना कटा हुआ है तो उस दिशा में शीशा लगा दें, इससे उस कोने का वास्तु दोष समाप्त हो जायेगा।

» घर के खिड़की और दरवाजों के शीशे कभी भी पारदर्शक नहीं होने चाहियें।

»- कदापि भी दो दर्पण एक दुसरे के सेमुख नहीं लगाने चाहियें, इससे उर्जा अनियंत्रित होती है।

कुछ इस तरह थी भगवान राम और हनुमान जी की पहली मुलाकात

भगवान हनुमान को पूरे संसार में 'रामभक्त हनुमान' के नाम से जाना जाता है और उनकी भक्ति और मिलन की कहानियों को हर कोई पढ़ना चाहता है। आज हम आपको प्रभु राम और भगवान हनुमान की पहली मुलाकात के बारे में जानकारी देने वाले हैं। पहली बार भगवान हनुमान अपने प्रभु राम से कब मिले, कैसे मिले और कहां मिले? इस संबंध में कई सारी पौराणिक कहानियां प्रचलित हैं, लेकिन हम आपको बता दें महर्षि वाल्मीकि द्वारा 'रामायण' ग्रंथ में दिया गया श्रीराम-हनुमान मिलन का प्रसंग ही सही माना जाता है। अन्य संस्करणों एवं क्षेत्रीय कहानियों को आधार पर कई कहानियां हैं, जो पूर्ण रूप से सत्य से मेल नहीं खातीं। महर्षि वाल्मीकि जी के अनुसार हनुमान जी की पहली मुलाकात अपने आराध्य श्रीराम से किष्किंधा के वन में हुई थी। यह प्रसंग तुलसीदास जी द्वारा भी रामचरित मानस में जोड़ा गया है, इस महान ग्रंथ को 'किष्किंधाकाण्ड' के नाम से जाना जाता है। यह तब की बात है जब वानर सुग्रीव अपने बड़े भाई बालि के प्रकोप से डरकर अपने मित्र हनुमान की शरण में आते हैं और उनसे छिपने के लिए सहायता मांगते हैं। इसी दौरान सुग्रीव को वन की ओर से दो पुरुषों को आते हुए देखते हैं, उन्होंने सादे वस्त्र पहने थे किंतु शस्त्र धारण किए हुए थे। सुग्रीव के मन में भय प्रकट हुआ। उन्हें लगा कि कहीं ऐसा तो नहीं कि ये भाई बालि के भेजे हुए गुप्त सैनिक हो सकते हैं जो उनकी हत्या के लिए भेजे गए हैं।

सुग्रीव ने इस बात की जानकारी हनुमान जी को दी और कहा कि मित्र, आप स्वयं वन में जाकर पूछताछ करें कि ये दोनों पुरुष कौन हैं, कहां से आए हैं और इनका वन में आने का उद्देश्य क्या है। मित्र की परेशानी को समझते हुए हनुमान ब्राह्मण का रूप धारण कर श्रीराम और लक्ष्मण के सामने पहुंच गए और उनसे पूछताछ करने लगे। हनुमान जी ने पूछा कि आप दोनों कौन हैं, कहां से आए हैं और आपको क्या चाहिए? पूछने पर श्रीराम बोले ने उन्?हें आने और सीता माता के अपहरण की पूरी घटना बताई। जैसे ही हनुमान जी को अहसास हुआ कि ये तो प्रभु राम हैं, वह फूले नहीं समाते है और इस बात की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक उठती है। सच्चाई जानने की देर ही थी कि हनुमान जी अपने असली रूप में वापस लौट आए और श्रीराम के चरण पक?कर धरती पर गिर पड़े।

यह पल ऐसा था मानो हनुमान जी को पूर्ण संसार मिल गया हो। उनके मुख से एक भी शब्द नहीं निकल रहा था, बस अपने प्रभु को पा लेने की जो खुशी उनके मुख पर दिखाई दे रही थी, उसका कोई मोल नहीं था। हनुमान ने श्रीराम से क्षमा मांगी, कहा 'यह मेरी भूल है जो मैं आपको पहचान ना सका। ना जाने यह कैसे हो गया कि मेरे प्रभु मेरे समक्ष ख? थे और मैं ज्ञात ही ना कर सका'।

तब श्रीराम ने हनुमान को अपने चरणों से उठाया, गले से लगाया और कहा, 'हनुमान तुम दुखी ना हो, शायद तुम्हें यह आशा ही नहीं थी कि मैं तुम्हे यहां वन में इस वेष में मिलूंगा। तुम दिल छोटा मत करो'।

सप्तम भाव में ऐसे ग्रह हों तो प्रेम में मिलता है बार-बार धोखा

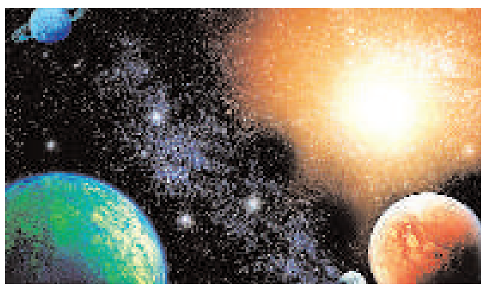

आज हम सप्तम भाव से रिलेटेड कुछ खास बातों पर वार्ता करेंगे। आपने देखा होगा । कि अक्सर व्यक्ति के जीवन में कई प्रेम प्रसंग की घटनाएं होती हैं वहीं कुछ ऐसे भी इंसान होते हैं, जिनके जीवन में विपरीत लिंगी प्रेम का अभाव होता है। कुछ लोग एक शादी को तरसते हैं, वहीं कुछ तलाक पर तलाक दिए जाते हैं। इसके साथ ही इस भाव से मनुष्य की यौन इच्छाओं का भी सटीक विश्लेषण किया जा सकता है।

लाइफ में प्रणय और विवाह के मामलों में विचित्र अनुभवों से साक्षात्कार होना कोई बड़ी बात नहीं किंतु ये जरूर हैरान करने वाली बात है। कि इनका संबंध कुण्डली के सप्तम भाव से होता है। हालांकि सप्तम भाव केवल प्रेम और विवाह को ही रिप्रजेंट नहीं करता है। बल्कि ये मारक भाव भी है। किंतु इसके लिए ग्रहों की विशिष्ट स्थितियां होती हैं। यानि हर अवस्था में ये भाव मारक सिद्ध हो ऐसा कदापि आवश्यक नहीं।

किंतु प्रेम और विवाह के सभी पहलुओं का कुण्डली के इस स्थान से पता लगाया जा सकता है। एक जीवित व्यक्ति की कुण्डली से इसका अध्ययन करते हैं जिससे बात ज्यादा साफ-साफ समझ में आएगी ।

तुला लग्न से संबंधित इस व्यक्ति के लग्न चक्र में राहु व मंगल सप्तम स्थान में विराजित हैं, शनि तीसरी पूर्ण दृष्टि से तथा केतु सातवीं पूर्ण दृष्टि से सप्तम भाव को देख रहा है।

इस व्यक्ति के जीवन में जब-जब राहु की दशा-अंतरदशा-प्रत्यंतर दशा चली तब-तब नए-नए प्रेम संबंधों का प्रणयन हुआ। किंतु ये संबंध कभी भी सुखद नहीं रहे वरन् उसे हमेशा धोखे और छद्मजाल का शिकार बनना पड़ा।

ऐसा क्यों हुआ इसका कारण साफ है। उल्लेखित व्यक्ति की कुण्डली में सप्तम स्थान राहु, केतु, शनि व मंगल से पीड़ित हुआ। एक भी शुभ ग्रह का उसे सपोर्ट नहीं मिला जिससे सप्तम भाव वाली घटनाएं अपने विकृत रूप में घटित हुईं और बार-बार हुईं। राहु की इस स्थान में मौजूदगी उसे स्वच्छंद यौन संबंधों की ओर प्रेरित करती रही किंतु विश्वसनीय संबंधों का सर्वथा अभाव बना रहा।

शनि, केतु व मंगल तथा राहु विच्छेदक ग्रह हैं। इनकी किसी स्थान पर मौजूदगी या दृष्टि उस व्यक्ति को उस भाव संबंधी बातों से पृथक करती है। इसके अलावा राहु और केतु की तामसी प्रवृत्तियां इस व्यक्ति को भी तामसिक बनाती हैं तथा जो भी प्रेम या विवाह संबंध बने, उससे रिलेटेड व्यक्ति भी तामसिक रहे। भोग ऐसे इंसान के जीवन में टूट कर आता है किंतु वह उस भोग से संतुष्ट होने की बजाय समस्याओं में घिरता चला जाता है।

इसके साथ ही राहु की घटना को आकस्मिक रूप से घटित कराने की क्षमता भी ऐसे व्यक्ति के जीवन में प्रॉब्लम्स की अधिकता लेकर आती है। कब कौन सा संबंध खतरनाक सिद्ध होगा (प्रेम व विवाह संबंधी) इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। ज्यादातर मामलों में ऐसे लोगों का वैवाहिक जीवन कष्टप्रद होता है।

क्या आपका जन्म भी राक्षस गण में हुआ

ोतिष शास्त्र: ज्योतिष शास्त्र के अंतर्गत प्रत्येक ुष्य को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जो उनके ग के आधार पर निर्धारित हैं। ये तीन श्रेणियां हैं देव ग, मनुष्य गण और राक्षस गण। गण के आधार पर ुष्य का स्वभाव और उसका चरित्र भी बताया गया ।

ुष्य गण: वहीं जिन लोगों का संबंध मनुष्य गण से ता है। वह धनवान होने के साथ ही धनुविद्या के अच्छे नकार होते हैं। उनके नेत्र बड़े-बड़े होते हैं। साथ ही समाज में काफी सम्मान पाते हैं । और लोग उसकी त को ऊपर रखकर चलते हैं।

क्षण गण: लेकिन जब बात आती है राक्षण गण की बहुत से लोग इसका नाम सुनकर ही डर जाते हैं। झे पूरा यकीन है कि आप में से बहुत से लोग जब पनी कुंडली चेक करवाएंगे तो आपका गण भी क्षस ही आएगा। भयभीत होने की जरूरत नहीं है।

नक्षत्र

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म के समय मौजूद नक्षत्र के आधार पर व्यक्ति का गण निर्धारित होता है।

देव गण: जो मनुष्य देव गण से संबंध रखता है वह दानी, बुद्धिमान, कम खाने वाला और कोमल ह्रदय का होता है। ऐसे व्यक्ति के विचार बहुत उत्तम होते हैं, वह अपने से पहले दूसरों का हित सोचता है।

खूबियां: क्योंकि यह भी अन्य दोनों गणों की तरह एक गण ही है, लोग इसे गलत अर्थों में लेकर भ्रांतियां गढ़ने लगते हैं। जोकि कदापि सही नहीं है। हां इसकी खूबियां थोड़ी अलग और विशिष्ट हैं।

भिन्न-भिन्न तरह की शक्तियां: हमारे आसपास भिन्न-भिन्न तरह की शक्तियां मौजूद होती हैं, उनमें से कुछ नकारात्मक होती हैं तो कुछ सकारात्मक। ज्योतिष विद्या के अनुसार जिन लोगों का संबंध राक्षस गण से होता है। वह अपने आसपास मौजूद नकारात्मक शक्तियों को पहचान लेते हैं। उन्हें बुरी शक्तियों का आभास अपेक्षाकृत जल्दी हो जाता है।

छठी इन्द्री: राक्षस गण के जातकों की छठी इन्द्री यानि कि सिक्स सेंस ज्यादा बेहतर तरीके से कार्य करता है और वो इतनी क्षमता भी रखते हैं । कि जब उनके सामने हालात नकारात्मक होते हैं तो वे भयभीत होने की बजाय उन हालातों का सामना करते हैं।

मजबूत इच्छाशक्ति

राक्षस गण के जातक साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाले होते हैं, उनके जीने का तरीका स्वच्छंद होता है।

नक्षत्रों की भूमिका: ज्योतिष शास्त्र में जन्म के समय मौजूद नक्षत्रों की भूमिका बहुत बड़ी होती है। आप किस ग्रह के अंतर्गत जन्में हैं, किस राशि के अधीन आते हैं और आपके जन्म का नक्षत्र क्या था, ये बात आपके पूरे जीवन की रूप रेखा खींच देती है।

राक्षण गण: तो चलिए जानते हैं किस नक्षत्र में जन्में लोग राक्षण गण के माने जाते हैं।

नक्षत्र: अश्लेषा, विशाखा, कृत्तिका, मघा, ज्येष्ठा, मूल, धनिष्ठा, शतभिषा नक्षत्र में जन्म लेने वाले लोग राक्षण गण के अधीन माने जाते हैं।

राक्षस गण: तो अगर आपको भी लगता है कि आपके भीतर भी राक्षस गण जैसे गुण या विशेषताएं मौजूद हैं तो एक बार किसी अच्छे ज्योतिष से अपनी कुंडली जरूर चेक करवा लें।

श्रद्धा एवं जागरूकता

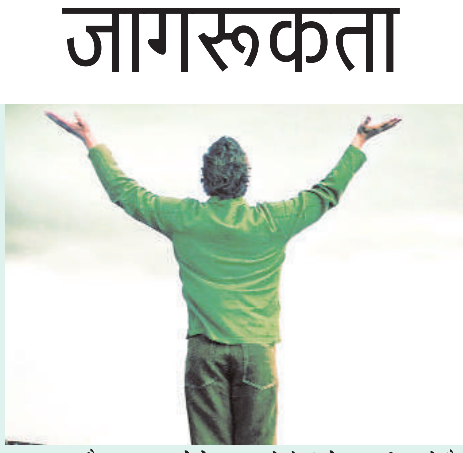

श्रद्धा और सजगता, दोनों एक दूसरे के विरोधाभासी लगते है। जब तुम पूर्णतः जागरूक होते हो तो अेसर श्रद्धा नहीं रहती और तुम व्याकुल एवं असुरक्षित महसूस करते हो। जब तुम किसी पर पूर्ण विश्वास कर के चलते हो अर्थात श्रद्धा से चलते हो, तब मन पूर्ण रूप से शांत एवं सुरक्षित महसूस करता है और विश्राम में रहता है। तब तुम जागरूक नहीं रहते !

श्रद्धा तीन प्रकार की है

तामसिक श्रद्धा - तामसिक श्रद्धा आलस्य से उत्पन्न होती है। जैसे, जब तुम कोई जिमेदारी नहीं लेना चाहते हो, या आलस्यवश कोई काम नहीं करना चाहते, तब तुम कहते हो कि, 'कोई बात नहीं, भगवान सब ठीक कर देंगे।' राजसिक श्रद्धा - जब तुम इच्छा और तृष्णा के तीव्र वेग के कारण श्रद्धा का सहारा लेते हो, तब इच्छापूर्ति की तीव्रता ही तुेहारी श्रद्धा को जीवित रखती है। ये राजसिक श्रद्धा है।

सात्विक श्रद्धा - ऐसा विश्वास, ऐसी श्रद्धा जो निष्कपट हो, भोलापन लिए हो और जो हमारी चेतना की पूर्णता से उत्पन्न हुई हो, वह सात्विक श्रद्धा है।

श्रद्धा के बिना आंतरिक विकास संभव नहीं

श्रद्धा एवं जागरूकता भले ही एक दूसरे के विरोधाभासी लगते हों, परन्तु वे एक दूसरे के पूरक है। श्रद्धा के बिना तुेहारा आंतरिक विकास संभव नहीं है। और बिना सजगता के तुम कुछ भी भली-भांति समझ नहीं पाओगे। श्रद्धा तुेहे आनंद के मार्ग पर ले जाती है और सजगता तुेहें व्याकुल रखती है।

जहां विश्वास नहीं वहां भय

जहां विश्वास (श्रद्धा) नहीं है वहां भय रहता है, और जब जागरूकता कि कमी हो तो न तो तुम कुछ ठीक से समझ पाओगे और न ही उसे ठीक से व्यक्त कर पाओगे। अत: दोनों का मिश्रण अत्यंत आवश्यक है। ज्ञान में स्थित होकर सजग रहने से तनाव विहीनता आती है, श्रद्धा आती है और आनंद आता है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है श्रद्धा से उत्पन्न मूर्खता (राजसिक श्रद्धा) के तत्वों अर्थात आलस्य को मिटाना एवं जागरूकता से उत्पन्न भय और व्याकुलता को भी मिटाना। यह एक अनोखा एवं अतुल्य मिश्रण है। अगर तुम्हारे अन्दर श्रद्धा एवं जागरूकता एक साथ दोनों ही हैं । तो तुम सही मायनों में एक ज्ञानी बन जाओगे।

ज्योतिष पर ओशो के विचार

ज्योतिष के नाम पर सौ में से निन्यानबे धोखाधड़ी है। और वह जो सौवां आदमी है, निन्यानबे को छोड़ कर उसे समझना बहुत मुश्किल है।`योंकि वह कभी इतना डागमेटिक नहीं हो सकता कि कह दे कि ऐसा होगा ही।`योंकि वह जानता है कि ज्योतिष बहुत बड़ी घटना है। इतनी बड़ी घटना है कि आदमी बहुत झिझक कर ही वहां पैर रख सकता है। जब मैं ज्योतिष के संबंध में कुछ कह रहा हूं तो मेरा प्रयोजन है कि मैं उस पूरे-पूरे विज्ञान को आपको बहुत तरफ से उसके दर्शन करा दूं उस महल के। मैं इस बात की चर्चा कर रहा हूं कि कुछ आपके जीवन में अनिवार्य है। और वह अनिवार्य आपके जीवन में और जगत के जीवन में संयुक्त और लयबद्ध है, अलग-अलग नहीं है। उसमें पूरा जगत भागीदार है। उसमें आप अकेले नहीं हैं।

ज्योतिष के तीन हिस्से

अस्तित्व में सब क्रिसक्रास प्वाइंट्स हैं, जहां जगत की अनंत शक्तियां आकर एक बिंदु को काटती हैं; वहां व्यक्ति निर्मित हो जाता है, इंडिविजुअल बन जाता है। तो वह जो सारभूत ज्योतिष है उसका अर्थ केवल इतना ही है कि हम अलग नहीं हैं। एक, उस एक ब्रह्म के साथ हैं, उस एक ब्रह्मांड के साथ हैं। और प्रत्येक घटना भागीदार है। जब एक बच्चा पैदा हो रहा है तो पृथ्वी के चारों तरफ क्षितिज को घेर कर खड़े हुए जो भी नक्षत्र हैं–ग्रह हैं, उपग्रह हैं, दूर आकाश में महातारे हैं–वे सब के सब उस ऐसपोजर के क्षण में बच्चे के चिा पर गहराइयों तक प्रवेश कर जाते हैं। फिर उसकी कमजोरियां, उसकी ताकतें, उसका सामर्थ्य, सब सदा के लिए प्रभावित हो जाता है। जन्म के समय, बच्चे के मन की दशा फोटो प्लेट जैसी बहुत ही संवेदनशील होती हैं। जब बच्चा गर्भ धारण करता है, यह पहला ऐसपोजर है। जब बच्चा पैदा होता है वह दूसरा ऐसपोजर है। ये दो ऐसपोजर बच्चे के संवेदनशील मन पर फिल्म की तरह छप जाते हैं। उस समय में जैसी दुनिया है वैसी की वैसी बच्चे पर छप जाती है। यह बच्चे के सारे जीवन की सहानुभूति और विद्वेष को तय करता है। इस संबंध में यह भी आपको कह दूं कि ज्योतिष के तीन हिस्से हैं. एक–जिसे हम कहें अनिवार्य, एसेंशियल, जिसमें रेाी भर फर्क नहीं होता। वही सर्वाधिक कठिन है उसे जानना। फिर उसके बाहर की परिधि है–नॉन एसेंशियल, जिसमें सब परिवर्तन हो सकते हैं। मगर हम उसी को जानने को उत्सुक होते हैं। और उन दोनों के बीच में एक परिधि है–सेमी एसेंशियल, अर्द्ध अनिवार्य, जिसमें जानने से परिवर्तन हो सकते हैं, न जानने से कभी परिवर्तन नहीं होंगे।

एसेंशियल–जो बिलकुल गहरा है

तीन हिस्से कर लें। एसेंशियल–जो बिलकुल गहरा है, अनिवार्य, जिसमें कोई अंतर नहीं हो सकता। उसे जानने के बाद उसके साथ सहयोग करने के सिवाय कोई उपाय नहीं है। उसके बाद दूसरा हिस्सा है–सेमी एसेंशियल, अर्द्ध अनिवार्य। अगर जान लेंगे तो बदल सकते हैं, अगर नहीं जानेंगे तो नहीं बदल पाएंगे। अज्ञान रहेगा, तो जो होना है वही होगा। ज्ञान होगा, तो आल्टरनेटिव्स हैं, विकल्प हैं, बदलाहट हो सकती है। और तीसरा सबसे ऊपर का सरफेस, वह है–नॉन एसेंशियल। उसमें कुछ भी जरूरी नहीं है।

आपके जीवन में अनिवार्य

मैं जिस ज्योतिष की बात कर रहा हूं, और आप जिसे ज्योतिष समझते रहे हैं, उससे गहरी है, उससे भिन्न है, उससे आयाम और है। मैं इस बात की चर्चा करते है। कि कुछ आपके जीवन में अनिवार्य है। और वह अनिवार्य आपके जीवन में और जगत के जीवन में संयुक्त और लयबद्ध है, अलग-अलग नहीं है। उसमें पूरा जगत भागीदार है। उसमें आप अकेले नहीं हैं। तीन बातें हुईं। ऐसा क्षेत्र है जहां सब सुनिश्चित है। उसे जानना सारभूत ज्योतिष को जानना है। और ऐसा क्षेत्र है जो दोनों के बीच में है। उसे जान कर आदमी, जो नहीं होना चाहिए उससे बच जाता है, जो होना चाहिए उसे कर लेता है। और अगर परिधि और केंद्र के मध्य में आदमी इस भांति जीये कि केंद्र पर पहुंच पाए तो उसकी जीवन की यात्रा धार्मिक हो जाती है। जब तुम ज्योतिषी के पास जाते हो, उससे आवश्यक प्रश्न पूछो, जैसे कि 'मैं तृप्त मरूंगा या अप्रसन्न मरुंगा?' ये पूछने जैसा प्रश्न है; यह एसेंसियल ज्योतिष से जुड़ा है। तुम सामान्यतया ज्योतिषी से पूछते हो कि कितना लंबा तुम जिओगे--जैसे कि जीना पर्याप्त है। तुम क्यों जिओगे? किसके लिए तुम जिओगे? ज्योतिष तुम्हारे हाथ में उपकरण हो सकता है यदि तुम एसेंसियल को नॉन एसेंसियल से अलग कर सको। गुलाब का फूल गुलाब का फूल है, वहां कुछ और होने का कोई प्रश्न ही नहीं है। और कमल कमल है। न तो कभी गुलाब कमल होने की कोशिश करता है, न ही कमल कभी गुलाब होने का प्रयास करता है।

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हर चीज एक ही ऊर्जा है

मॉडर्न फिजिस या आधुनिक भौतिक शास्त्र के अनुसार अस्तित्व में जो कुछ भी मौजूद है वह ऊर्जा ही है। तो फिर` या कारण है कि सब कुछ एक होने के बाद भी दुनिया में मतभेद दिखाई देते हैं?` या एक ऊर्जा दूसरी के खिलाफ है? `या अच्छी और बुरी ऊर्जा जैसी कोई चीज़ है?आधुनिक विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हर चीज एक ही ऊर्जा है। दुनिया भर के धर्म कहते रहे हैं कि ईश्वर हर जगह है। चाहे आप यह कहें कि ईश्वर हर जगह है, या आप यह कहें कि हर चीज एक ही ऊर्जा है ये दोनों ही बातें एक ही सच्चाई को बताती हैं।

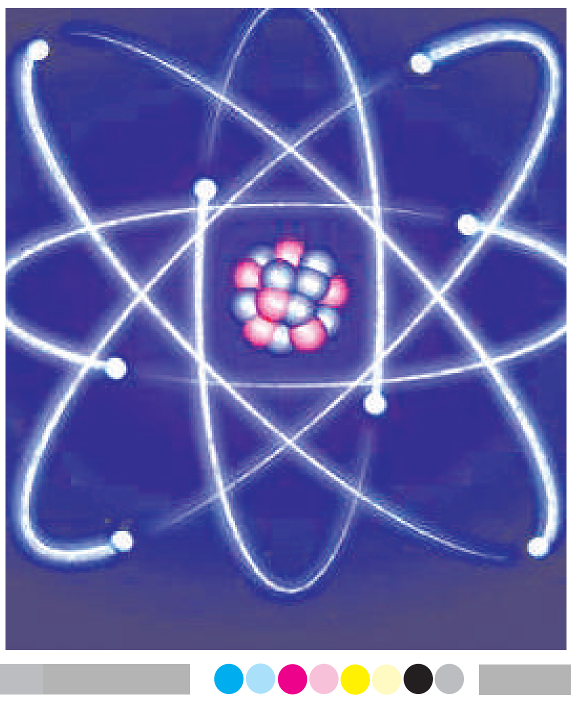

सब कुछ एक ही ऊर्जा है

यह सृष्टि एक ऊर्जा है, जो खुद को लाखों तरीके से अभिव्यक्त कर रही है। जो पानी गिर रहा है, वह ऊर्जा है, वही ऊर्जा यहां एक पेड़ के रूप में खड़ी है। वही ऊर्जा आपके रूप में बैठी है। वही ऊर्जा मेरे रूप में यहां मौजूद है। वही ऊर्जा एक चट्टान के रूप में खड़ी है। आधुनिक विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हर चीज एक ही ऊर्जा है। दुनिया भर के धर्म कहते रहे हैं कि ईश्वर हर जगह है। चाहे आप यह कहें कि ईश्वर हर जगह है, या आप यह कहें कि हर चीज एक ही ऊर्जा है - ये दोनों ही बातें एक ही सच्चाई को बताती हैं। एक ही बात को दो अलग-अलग तरीकों से कह दिया गया है। वैज्ञानिकों ने गणितीय आधार पर यह नतीजा निकाला है। धार्मिक लोग बस इस पर विश्वास करते रहे हैं, लेकिन दोनों के जीवन में यह अभी तक जीती जागती हकीकत नहीं है। इसी वजह से हमारे जीवन में रूपांतरण नहीं आता। ऊर्जा के गणित की खोज के बाद आइंस्टीन के जीवन में कोई मूलभूत बदलाव नहीं आया। अब जब आप यह सवाल पूछते हैं कि` या एक ऊर्जा दूसरी ऊर्जा पर हावी होती है, तो उसका जवाब है कि ऊर्जा तो एक ही है। यह दूसरी पर हावी कैसे हो सकती है? तों या इसका मतलब यह है कि लोग अलग-अलग तरह के नहीं हैं? अलग अलग तरह के लोग मौजूद हैं। अब अगर आप एक आदमी को एक उर्जा के रूप में और दूसरे आदमी को दूसरी उर्जा के रूप में लेते हैं, तो आप पूछ सकते है कि` या यह ऊर्जा उस ऊर्जा पर हावी हो सकती है? यह इंसान उस इंसान पर हावी हो सकता है, शारीरिक रूप से, मानसिक रूप से, भावनात्मक रूप से और उर्जा के स्तर पर भी। लेकिन यह ऊर्जा के खिलाफ ऊर्जा नहीं है। यह एक इंसान है जो कि दूसरे इंसान के खिलाफ है। वह अपनी ऊर्जा का प्रयोग किसी पर हावी होने के लिए कर रहा है।जैसे पहाड़ों से जब पानी गिरता है तो वह चट्टानों को तोड़ता है। एक तरह से पानी की ऊर्जा, पत्थर की ऊर्जा पर हावी हो रही है। इसी तरह से लोग भी अपनी ऊर्जा का एक खास तरह से उपयोग करके किसी दूसरे पर हावी हो सकते हैं।

क्या है सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा

आपको किसने बताया कि ऊर्जाएं सकारात्मक और नकारात्मक होती हैं। मैं बिजली के सर्किट की बात नहीं कर रहा हूं। मैं जीवन-ऊर्जा की बात कर रहा हूं। विज्ञान कहता है कि केवल एक ऊर्जा है, धर्म कहता है कि ईश्वर हर जगह है। मैं तो केवल एक ही ऊर्जा के बारे में जानता हूं, लेकिन आपने दो बना लीं। क्यों? क्योंकि अगर आप दो नहीं बनाते तो आप इसके बारे में सोच नहीं पाते। अगर आप इसे बस एक के रूप में ही देखें, तो आपका पूरा का पूरा ज्ञान ही खत्म हो जाएगा। ऊर्जा एक ही तरह की होती है। एक ही ऊर्जा है जो एक खास तरीके से काम कर रही है। आपके कहने का मतलब शायद यह है कि ठंडी बहती हवा सकारात्मक ऊर्जा है, और भयंकर तूफान नकारात्मक ऊर्जा। ऐसा नहीं है। ये एक ही बात है। बस बात इतनी है कि इनमें से एक चीज आपको पसंद है और दूसरी नहीं।

संपादकीय

महंगी चीनी, आयात क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, निर्यातक और खपत वाला देश है। उससे आगे ब्राजील ही है। एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया। एक ही महीने में चीनी 20 रुपए महंगी. ! स्थितियों को भांपते हुए बड़े व्यापारियों, थोक विक्रेता, थोक के औद्योगिक उपभोक्ताओं ने जुलाई से पहले ही चीनी की जमाखोरी शुरू कर दी, ताकि त्योहारों के मौसम में अधिक दामों पर चीनी बेचकर मुनाफे कमाए जा सकें। अगस्त में कई चीनी मिलों ने बिक्री ही रोक दी। वे भी मुनाफाखोरी, कालाबाजारी की जमात में खड़ी हो गईं। अब 20 अक्तूबर को दशहरा है और 8 नवंबर को दिवाली है। भारत के दोनों ही राष्ट्रीय त्योहार हैं, लेकिन उनसे पहले ही चीनी की मिठास 'कड़वी' हो गई है। एथेनॉल को 'खलनायक' बनाया जा रहा है, जो सरासर गलत है। हालांकि हम ई-20 नीति के पक्षधर नहीं हैं, क्योंकि भारत सरकार तमाम पारदर्शी जवाब नहीं दे पाई है। ई-20 का देश में जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। नवंबर, 2025 से जुलाई, 2026 के दौरान तेल कंपनियों को 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई किया गया है। उसमें से 259.24 करोड़ लीटर, अर्थात 32 फीसदी, गन्ने से तैयार किया गया है, जबकि शेष 68 फीसदी एथेनॉल मक्का, शीरे, भारतीय खाद्य निगम के चावल और टूटे या सड़े-खराब अनाज से बनाया गया है। पहले 34 लाख टन चीनी को एथेनॉल बनाने के लिए तय किया जाना था, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण 30 लाख टन चीनी एथेनॉल बनाने को मुहैया कराई गई। उसके बावजूद भंडारों में चीनी उपलब्ध थी। तो सवाल है कि चीनी का आयात क्यों किया जा रहा है? चीनी खुदरा बाजार में महंगी क्यों होती जा रही है? क्या जमाखोरों, मुनाफाखोरों, बिचौलिया ताकतों और वर्चस्ववादी मिलों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि ये 'कालाबाजारी' बार-बार उभर कर सामने आते हैं? इस खेल में बेचारा किसान तो गायब है। खुद भारत सरकार मानती है कि किसान की औसत आय 10,000 रुपए माहवार से भी कम है। तो महंगी चीनी के मुनाफे किसकी जेब में गए? जाहिर है कि जमाखोर दलाल 'अमीर' बनते रहे। दरअसल हम चीनी की कमी और महंगाई को न तो खाद्य-संकट मानते हैं और न ही यह राष्ट्रीय अराजकता का कारण बन सकती है। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेता 'राजनीति' जरूर करेंगे। बहरहाल विशेषज्ञों का मानना है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात में गन्ने की फसल, बीते साल सितंबर-अक्तूबर में, अधिक बारिश से प्रभावित हुई थी। नतीजतन उत्पादन कम हुआ और भंडारण 9 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस साल भी जून में बहुत कम बारिश हुई। खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक में। मॉनसून भी असंतुलित रहा। इससे साफ है कि 2026-27 में भी गन्ने के खेत, चीनी उत्पादन निश्चित रूप से प्रभावित होंगे। अनुमान है कि आने वाले साल में 33 लाख टन चीनी उत्पादन कम हो सकता है। क्या आयात जारी रखना पड़ेगा? अगर महंगाई की बात करें तो इससे आम आदमी परेशान है। हर चीज महंगी होती जा रही है, जबकि आय में वृद्धि नहीं हो पा रही है। गरीब लोगों के साथ-साथ मध्यम वर्ग को भी लगता है कि महंगाई बढ़ रही है और उसे नीचे लाने के लिए किए जा रहे प्रयास नाकाफी हैं। मोदी सरकार का दायित्व है कि वह महंगाई को बढ़ने से रोके। ऐसी अवस्था में जबकि देश में बेरोजगारी भी है, आम आदमी भला महंगाई से कैसे निपट पाएगा। जनकल्याण के लिए सरकार को ठोस उपाय करने होंगे।

एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343 .5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया।

कुछ अलग

एक था लड्डू

पहली बार लड्डू विचलित हो गया। वह कई बार मंदिर में चढ़ा, लेकिन इस बार उसकी चुनावी ड्यूटी थी। वह इस कद्र बंटने लगा था कि सदा जीत रही पार्टी का मुरीद हो गया। विडंबना यह कि इस बार उपचुनाव में विरोधी पक्ष जीत गया। अब लड्डू तो लड्डू, भले ही सत्ता पक्ष का समर्थक, पर हलवाई तो खुशियों का समर्थक था, लिहाजा विपक्ष से लड्डुओं का सौदा करने लगा। हलवाई के पास भले ही लड्डू नहीं उछलता, लेकिन इसे देखते ही लोग उछल जाते हैं या लड्डू खरीदने वाले अक्सर उछले हुए लोग होते हैं। लड्डू ईश्वर-अल्लाह में कोई अंतर नहीं रखता। न कोई इसे गरीब मानता और न ही यह किसी को कमजोर मानता है, बल्कि लड्डू को देखकर सभी वर्गों में जिज्ञासा बढ़ जाती है। अक्सर लोग लड्डू को साक्ष्य मानकर खुशखबर का पूछते हैं या यह खुद ही खुशखबरी में शरीक हो जाता है। अब लड्डू अपने आप में पार्टी हैं, चुनाव हैं, नेताओं का जन्म दिन और जीत का इजहार हैं।

छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है

स्कूल में पढ़ाई या बाहरी दखल?

विद्यालय महज कक्षाओं, इमारतों और चारदीवारी का समूह नहीं है। यह एक संवेदनशील संस्था है जहाँ समाज के भविष्य का निर्माण होता है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चे बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक रूप से विकसित होते हैं। इसलिए, सुरक्षा, अनुशासन और शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना मात्र प्रशासनिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक अनिवार्य तत्व है। इस संदर्भ में, हांसी जिले के सरकारी स्कूलों में उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा बिना अनुमति के प्रवेश करने वाले या परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति पर रोक लगाने के निर्देश उल्लेखनीय हैं। ये निर्देश एक ऐसे बिंदु पर बल देते हैं जिसे अक्सर भुला दिया जाता है: स्कूल एक सीखने का स्थान होना चाहिए, न कि अनावश्यक अशांति, व्यवधान और सुरक्षा समस्याओं से ग्रस्त स्थान। विद्यालय समुदाय आधारित संस्थान होते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है। व्यापक अर्थ में, समुदाय में विद्यालय भी शामिल होता है, लेकिन विद्यालय को प्रतिदिन अपने छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। इसलिए, किसी को भी इस आधार पर कक्षाओं में जाने, शिक्षकों को बाधित करने या शैक्षणिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करने की छूट नहीं होनी चाहिए कि विद्यालय एक सार्वजनिक भवन है। अनाधिकृत प्रवेश से सीखने की प्रक्रिया पर कई तरह से असर पड़ सकता है। अगर कोई कक्षा में घुसकर शिक्षकों से अनावश्यक बातचीत करता है, छात्रों से बिना अनुमति के संपर्क करता है, या कोई निजी मुद्दा या समस्या स्कूल के माहौल में लाता है, तो इससे पढ़ाई में बाधा आ सकती है। छात्र ध्यान भटकने लगते हैं, शिक्षकों का ध्यान भंग होता है और अनुशासन भंग होता है। अगर ऐसा परीक्षाओं, स्कूल के कार्यक्रमों और अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों के दौरान होता है, तो इसके और भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह सिर्फ अनुशासन से जुड़ी समस्या नहीं है। आज के समय में, विद्यालय सुरक्षा का मुद्दा बहुआयामी है। बेहतर प्रवेश नियंत्रण बच्चों की सुरक्षा, कर्मचारियों की सुरक्षा, महत्वपूर्ण फाइलों और डिजिटल हार्डवेयर की सुरक्षा के साथ-साथ अप्रिय घटनाओं से बचाव से भी जुड़ा है। स्कूल परिसर में अनाधिकृत प्रवेश, चाहे वह वयस्कों द्वारा हो या बच्चों द्वारा, गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, आगंतुकों का रिकॉर्ड रखना, आगंतुकों के इरादे को समझना और उचित अनुमति प्राप्त करना संस्थागत सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हांसी प्रशासन के निर्देशों की दिलचस्प बात यह है कि इनका उद्देश्य स्कूलों को समाज से अलग करना नहीं है। इसके बजाय, वे प्रवेश के लिए उचित अनुमति और वैध उद्देश्य की आवश्यकता पर ज़ोर देते हैं। माता-पिता, शिक्षा अधिकारी, निरीक्षण दल और अन्य अधिकृत व्यक्तियों के स्कूलों में जाने के पीछे निश्चित रूप से अच्छे कारण होंगे। बच्चों की प्रगति में सहयोग के लिए माता-पिता और स्कूलों को एक-दूसरे के साथ रचनात्मक रूप से संवाद करना चाहिए। हालांकि, यह संवाद ऐसी प्रणाली के माध्यम से होना चाहिए जो कक्षा शिक्षण में बाधा न डाले। अभिभावकों के लिए मिलने का समय निर्धारित किया जा सकता है और स्कूलों में आगंतुकों का रजिस्टर और स्कूल अधिकारियों या शिक्षकों से मिलने के समय के बारे में स्पष्ट नीति हो सकती है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि किसी भी वास्तविक चिंता का समाधान गोपनीयता और सम्मानपूर्वक किया जाए और शैक्षणिक दिनचर्या बाधित न हो। इसका उद्देश्य स्कूल को समुदाय से अलग करना नहीं है, बल्कि स्कूल/समुदाय के बीच आपसी संवाद के लिए एक अनुशासित और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करना है। एक अन्य समस्या यह है कि प्रभावशाली लोग कभी-कभी विद्यालयों पर दबाव डालते हैं। किसी भी शैक्षणिक संस्थान के कामकाज पर राजनीतिक, सामाजिक या व्यक्तिगत प्रभाव का असर नहीं पड़ना चाहिए। कई बार लोगों को निजी मामलों को सुलझाने, शिक्षकों को डराने-धमकाने या प्रशासनिक मामलों में दखल देने के लिए विद्यालयों में लाया जाता है। ये गतिविधियाँ न केवल अनुशासन को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की गरिमा और स्वतंत्रता को भी ठेस पहुँचाती हैं। प्रभावी शिक्षण तभी संभव है जब स्कूल के बाहर से कोई धमकी या अनावश्यक दबाव न हो। स्कूल एक ऐसा स्थान होना चाहिए जहाँ संघर्ष या प्रभाव प्रदर्शन की अनुमति न हो। इसलिए, शिक्षा की गुणवत्ता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासकों को इस तरह के हस्तक्षेप से बचाना महत्वपूर्ण है। लेकिन सख्त आदेश इस समस्या का समाधान नहीं हो सकते। विद्यालयों में इन निर्देशों को लागू करने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक व्यवस्था होनी चाहिए। सभी संस्थानों के लिए आगंतुकों का रजिस्टर रखना और उनके आने का कारण दर्ज करना महत्वपूर्ण है। आगंतुकों से केवल संबंधित अधिकारी की जानकारी में ही शिक्षक या छात्र मिल सकते हैं और प्रवेश की निगरानी की जानी चाहिए, खासकर जब बच्चे विद्यालय में हों। बड़े विद्यालयों में, यदि संभव हो, तो सुरक्षा कर्मचारियों, निर्धारित प्रवेश द्वार और प्रवेश बिंदुओं तथा उपयुक्त निगरानी प्रणालियों के बारे में भी विचार किया जा सकता है। हालांकि, साथ ही साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि स्कूलों को अत्यधिक प्रतिबंधित और/या अत्यधिक भयभीत करने वाला न बनाया जाए। स्कूल खुलापन, विश्वास और सीखने का संस्थान है। ₹एक ही तरीका सबके लिए₹ वाला दृष्टिकोण अभिभावकों के लिए अनावश्यक कठिनाई पैदा कर सकता है और समुदाय को स्कूल से अलग-थलग महसूस करा सकता है। असल चुनौती सुलभता और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने में है। इस प्रक्रिया के केंद्र में प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापक होते हैं। वे न केवल सरकार के निर्देशों का पालन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी हैं, बल्कि शैक्षिक वातावरण के संरक्षक भी हैं। सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों को यह जानना चाहिए कि विद्यालय परिसर की सुरक्षा और पवित्रता हम सभी की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों में अधिनियम के उल्लंघन या अनुपयोग के मामलों में जवाबदेही पर भी जोर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त प्रशासनिक सहायता आवश्यक है। हालांकि, कई सरकारी स्कूलों में कर्मचारियों की संख्या कम होती है, भवन छोटे होते हैं, खासकर छोटे स्कूलों में। प्रभावी प्रवेश प्रबंधन के लिए संस्थागत सहयोग आवश्यक है, और यह जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रधानाध्यापक की होनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल प्रत्येक बच्चे के सुरक्षित और शांतिपूर्ण विद्यालयी वातावरण के अधिकार से जुड़ा है। विद्यार्थियों को निर्बाध शिक्षण वातावरण का अधिकार है।

बच्चे बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक रूप से विकसित होते हैं। इसलिए, सुरक्षा, अनुशासन और शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना मात्र प्रशासनिक कर्तव्य नहीं है, बल्कि सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक अनिवार्य तत्व है। इस संदर्भ में, हांसी जिले के सरकारी स्कूलों में उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा बिना अनुमति के प्रवेश करने वाले या परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति पर रोक लगाने के निर्देश उल्लेखनीय हैं। ये निर्देश एक ऐसे बिंदु पर बल देते हैं जिसे अक्सर भुला दिया जाता है: स्कूल एक सीखने का स्थान होना चाहिए, न कि अनावश्यक अशांति, व्यवधान और सुरक्षा समस्याओं से ग्रस्त स्थान। विद्यालय समुदाय आधारित संस्थान होते हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सरकारी विद्यालय एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्थान हो सकता है, विशेष रूप से सामुदायिक केंद्र के रूप में। सार्वजनिक महत्व का अर्थ सार्वजनिक पहुंच नहीं है।

देश दुनिया से

चुनौतियों के बावजूद आर्थिक साख बरकरार

हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसी 'फिच रेटिंग्स' ने भारत की सावरेन रेटिंग को 'बीबीबी माइनस' पर स्थिर परिदृश्य के साथ यथावत रखा है। फिच ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी हलचलों और तेल बाजार के उतार-चढ़ाव का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई दीर्घकालिक या स्थायी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। हाल के वर्षों में भारत ने कई बड़े वैश्विक झटकों का सफलतापूर्वक सामना किया है और अपनी मजबूत घरेलू बाजार क्षमता के बल पर सकारात्मक आर्थिक वृद्धि बनाए रखी है। फिच के द्वारा भारत की रेटिंग तय करते समय नीतिगत विश्वसनीयता, बाहरी वित्तीय ढांचे और ऋण वहन करने की क्षमता का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। भारत के मामले में इन सभी मानकों पर सकारात्मक स्थिति देखने को मिली है। कहा गया है कि भारत की विकास संभावनाएं और बाहरी वित्तीय संरचना इसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक सुरक्षित और आकर्षक बनाती हैं। निरंतर सुधरती नीतिगत विश्वसनीयता और सुदृढ़ आर्थिक नीतियों ने देश की बाजार क्षमता को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया है। उच्च विकास दर के बल पर सरकार के कुल ऋण अनुपात को नीचे लाने में सफलता मिल रही है, जो वित्तीय साख को नई मजबूती प्रदान करता है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में सरकार ने ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो बीते वर्ष के 56.1 प्रतिशत की तुलना में बेहतर स्थिति को दर्शाता है। केंद्र सरकार का दीर्घकालिक लक्ष्य मार्च 2031 तक इस अनुपात को और घटाकर 50 प्रतिशत के स्तर पर लाना है। इस दिशा में उठाया गया हर कदम देश की वित्तीय स्थिति को अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ बनाएगा। उल्लेखनीय है कि क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच की तरह कई प्रमुख साख निर्धारण संस्थाओं ने भारत की आर्थिक साख को निवेश योग्य श्रेणी में बनाए रखा है। एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की दीर्घकालिक साख को पॉजिटिव दृष्टिकोण के साथ 'बीबीबी माइनस' की श्रेणी में रखा है। इसके पीछे मुख्य आधार भारत का शानदार आर्थिक प्रदर्शन और सरकार की सुदृढ़ नीतिगत दिशा है। मूडीज रेटिंग्स ने भारत की साख को स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'बीएए3' के स्तर पर रखा है, जो सुरक्षित निवेश श्रेणी का परिचायक है। इन साख निर्धारणों के मूल में भारत का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, घरेलू मांग में जारी तेजी और संतुलित बैंकिंग प्रणाली है। हालांकि, सरकारी कर्ज का ऊंचा स्तर और राजकोषीय घाटा अभी भी साख में और अधिक सुधार के मार्ग में प्रमुख रुकावट बने हुए हैं, जिन पर निरंतर बजटीय अनुशासन के माध्यम से ध्यान दिया जा रहा है। निःसंदेह जिस तरह पश्चिम एशिया के जारी तनाव और वैश्विक व्यापारिक गतिरोधों के बावजूद भारत की आर्थिक साख अडिग बनी हुई है, उसी तरह भारत की विकास दर भी सराहनीय स्तर पर बनी हुई है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठनों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत से 6.7 प्रतिशत के बीच रहने की पूरी संभावना है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मजबूत घरेलू संकेतों के आधार पर विकास दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इसे 6.4 प्रतिशत पर आकलित किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात की गति धीमी होने के बावजूद, भारत की विशाल आंतरिक मांग, स्थिर निजी खपत और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बढ़ता उपभोग अर्थव्यवस्था की वास्तविक शक्ति बने हुए हैं। देश का सेवा क्षेत्र और औद्योगिक गतिविधियां लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, जिससे मुद्रास्फीति के दबाव और बाहरी अनिश्चितताओं को बेअसर करने में मदद मिल रही है। भारत की विकास दर को गति देने में तीन प्रमुख कारकों की मुख्य भूमिका रही है। केंद्रीय बैंक द्वारा नीतिगत दरों को स्थिर और संतुलित रखने से व्यापारिक गतिविधियों और निजी निवेश को बड़ा प्रोत्साहन मिला है। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे और पूंजीगत विकास पर लगातार किए जा रहे बड़े खर्च ने आर्थिक पहिये को थमने नहीं दिया है। विशाल घरेलू उपभोक्ता आधार के कारण वैश्विक उतार-चढ़ाव का प्रभाव भारतीय बाजारों पर सीमित रहा है। भारत आज दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत विदेशी पूंजी आकर्षित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। करीब दो माह पूर्व 8 जून से लागू भारतीय रिजर्व बैंक की नई रियायती स्वैप सुविधा को वैश्विक स्तर पर व्यापक समर्थन मिला है। 31 जुलाई तक देश के बैंकों ने इस योजना के माध्यम से रिकॉर्ड 41 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटा ली है। इस योजना ने महज दो महीने से भी कम समय में वर्ष 2013 का (34 अरब डॉलर फंड जुटाने का) रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती स्वैप सुविधा का मुख्य उद्देश्य देश के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाना और भुगतान संतुलन को मजबूत करना है। इस योजना के तहत बैंकों को जिन तीन प्रमुख माध्यमों से विदेशी मुद्रा जुटाने में मदद मिलती है उनमें प्रमुख रूप से विदेशों से ली जाने वाली जमा योजनाएं, विदेशी मुद्रा ऋण और बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) शामिल हैं। विदेशी जमाओं के लिए यह सुविधा 30 सितंबर तक और अन्य ऋण माध्यमों के लिए 31 दिसंबर तक उपलब्ध कराई गई है। हाल ही में प्रकाशित 'एसबीआई रिसर्च' की रिपोर्ट के अनुसार, स्वैप योजना की समयावधि समाप्त होने तक कुल विदेशी फंड प्रवाह 80 से 85 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

दृष्टि कोण

वनों में पौध नाशक का प्रयोग

महंगी चीनी, आयात क्यों? इन दिनों हिमाचल प्रदेश के वनों में ग्लायफोसेट और पेराकुएट जैसे घातक पौध नाशकों के छिडक़ाव के बाद मटर की फसल बिजाई के मामले सामने आए हैं। मंडी की थाची रेंज में ऐसे मामले सामने आने के बाद वन विभाग के कर्मियों द्वारा मटर की फसल बर्बाद करने की कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष जब थुनाग, जंजैहली क्षेत्र में बरसात में भारी तबाही हुई थी, उस समय भी ऐसी बातें निकली थीं कि उस क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में पौध नाशक रसायनों का छिडक़ाव करके मटर लगाया गया था जिससे भूस्खलन से नुकसान में भारी बढ़ोतरी हुई। अभी जो मामला सामने आया है, उससे एक सवाल तो यह भी पैदा होता है कि क्या यह एकाकी मामला है या हिमाचल में अन्य जगह पर भी इस तरह का वन विनाश हो रहा है। सरकार को चाहिए कि तत्काल पूरे प्रदेश में जहां जहां बेमौसमी मटर और अन्य बेमौसमी सब्जियों का कारोबार हो रहा है, वहां सर्वे करवा कर देखा जाए कि खेतों के बाहर जंगल में तो सब्जियां नहीं उगाई जा रही? हिमाचल में वन भूमि पर कब्जा करके खेती करने या छोटा मोटा आश्रय या गोशाला बना कर जम जाने का पुराना इतिहास रहा है। खासकर जब से व्यावसायिक खेती की बात आगे बढ़ी है, तब से इस प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। 80 के दशक में चिपको आंदोलन के सिलसिले में मैंने आदरणीय सुंदरलाल बहुगुणा जी के साथ पूरे हिमाचल का भ्रमण किया था। उसके बाद भी हम लोग दूरदराज इलाकों में हर वर्ष पैदल यात्राएं करते थे। उस समय आलू और सेब के लिए वन भूमि पर कब्जे की प्रक्रिया चल रही थी। पहले ढलानों को धीरे-धीरे नेपाली मजदूर रख कर साफ करवाया जाता और उसमें आलू लगाने के साथ साथ सेब लगा लिए जाते। वह वनों में काटो और कमाओ के नारे का युग था। प्राइवेट सेल के माध्यम से किसानों की जमीन के नाम पर निजी ठेकेदार जंगल से भारी मात्रा में इमारती लकड़ी काट कर उसमें मिला कर स्मगल कर लेते थे। नेरवा में इस तरह के धंधे में लिप्त लोगों के 72 हजार स्लीपर पकड़े गए थे। छाजपुर के जंगल में कई बागीचे पहले आलू के खेत बने, फिर सेब के बागीचे बन गए। एक पदयात्रा में 1986 के आसपास जुब्बल और ननखड़ी के बीच में चून्जर में पुराने तालाब और उससे लगती ढलानों में आलू की खेती हो रखी थी। किन्तु तब तक यह काम छोटे पैमाने पर था। हाथ से खुदाई करते समय लगता था। किन्तु इन पौध नाशक रसायनों ने तो काम बहुत ही आसान कर दिया है। छिडक़ाव करो और ढलान में सीधे मटर या अन्य सब्जियां लगा दो। ढलान में जो स्थायी खेत बने हैं, उनको सीढ़ीदार खेत बना कर खेती होती है जिससे भूमि कटाव नहीं होता है। किन्तु यह तो फटाफट मामला है। और मेहनत भी कम। बेमौसमी सब्जी के दाम भी ऊंचे मिल जाते हैं जिससे यह लाभकारी गतिविधि बन गई है। इसलिए बहुत ही सावधानी और सतत निगरानी की जरूरत आन पड़ी है। हैरानी की बात है कि वन विभाग के कानों तक यह बात इतनी देर से पहुंच रही है। इस तरह के कामों में कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण की भी बातें सामने आती हैं। लोग और विभाग भी कई बार जानते हुए भी चुप रहते हैं। किन्तु अब तो यह मामला वनों के लिए एक बड़े खतरे का रूप ले चुका है। इसलिए सरकार को व्यापक अभियान चला कर पूरे प्रदेश में जहां जहां बेमौसमी सब्जी का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है, वहां देखना चाहिए कि जंगल तो इसकी चपेट में न आ जाएं। सरकार मिशन 32 प्रतिशत चला कर प्रदेश के 32 प्रतिशत भू-भाग पर वनीकरण की योजना बना रही है, किन्तु ऐसी हालत में सफलता संदिग्ध ही रहेगी। इस रासायनिक छिडक़ाव से सबसे ज्यादा हानि 6 से 8 हजार फुट ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुर्लभ जैव विविधता को हो रही है।

आप का नज़रिया

ट्रंप ने खोया अपनों का भरोसा

ट्रंप को अपनी हैसियत बनाए रखनी है तो उन्हें अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा नहीं तो वह अपने देश में ही बदनामी के शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। ट्रंप को अपने पराए की पहचान करनी होगी। यह तो भविष्य के गर्व में छिपा है कि रुस यूक्रेन युद्ध को लेकर दोनों देशों का क्या निर्णय होगा या युद्ध कब तक समाप्त होगा या सहमति के हालात बनेंगे या नहीं पर एक बात साफ हो गई है कि अमेरिका के लोगों को ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय को लेकर भरोसा नहीं है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के समय 81 प्रतिशत अमेरिकीयों को भरोसा था कि ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिया जाएगा वह भरोसे लायक होगा। यानी कि वह सोच समझ भरा निर्णय होगा। कहने का अर्थ यह है कि अमेरिका के 81 फीसदी नागरिक यह मानकर चल रहे थे कि ट्रंप द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर लिया जाने वाला निर्णय भरोसे लायक होगा। राष्ट्रपति बनने के बाद से जिस तरह से ट्रंप द्वारा एक के बाद एक तुगलकी निर्णय लिए जा रहे हैं और जिस तरह से विश्व के देशों को धमकाना शुरु किया है उससे ट्रंप ने स्वयं के साथ ही अमेरिका की फजीयत ही अधिक कराई है। विश्व का दादा बनने के प्रयास में ट्रंप और अमेरिका दोनों की ही साख में तेजी से गिरावट आई है। ट्रंप-पुतिन मुलाकात के बाद भी साफ हो गया है कि कोई ठोस निर्णय नहीं हो पाया है और भले ही यून की जेलेंस्की को ट्रंप ने चर्चा के लिए अमेरिका बुलाया हो और बातचीत भी हुई हो पर लब्बोलुबाब तो यही रहेगा कि इस मुलाकात के बाद अमेरिका की हेटी तो साफ दिखाई दे ही रही है। इससे पहले जेलेंस्की और ट्रंप की गत मुलाकात के समय जिस तरह से अमेरिका की हेटी हुई वह भी सबके सामने हैं। भले ही पुतिन जेलेंस्की मुलाकात करने को राजी हो गये हो पर सीज फायर हो भी गया तो वह स्थाई सीजफायर होगा इसमें पूरी तरह से संदेह है। इन हालातों में प्यू रिसर्च द्वारा हाल ही किये गये सर्वे में जो परिणाम सामने आये हैं वह किसी विष्व नेता के लिए शर्मनाक से कम नहीं होने चाहिए। 81 प्रतिशत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो फिर देखा जाए तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलवुल भी भरोसा नहीं रहा है। देखा जाए तो दुनिया के देश तो ट्रंप की बेजा हरकतों से परेशान है ही वहीं अमेरिकावासियों को भी अमेरिका का भविष्य कोई अच्छा संकेत देता नहीं लग रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के एक के बाद लिए गए पैसलों ने उन्हें दुनिया का सबसे बड़ा खलनायक बना दिया है। ट्रंप की हर धमकी हवा हवाई बनकर रह गई है। इसके साथ ही ट्रंप द्वारा कही जाने वाली बात कब तक रहेगी इस पर भी दुनिया के लोगों को संदेह होने लगा है। एक तरह से देखा जाए तो ट्रंप किसी मसखरें की छवि में दुनिया के देशों के सामने आ रहे हैं। टैरिफ वार सामने हैं। टैरिफ के नाम पर देशों को धमकाना ज्यादा नहीं चल सकता, यह अमेरिका को समझना होगा। भारत पर 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने से उलटा मोदी को मजबूत बनाने का काम ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया है। इससे पहले जिस तरह से कनाडा को अपना 51 वां राज्य कहना दादागिरी का बड़ा नमूना है। भारत पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान सीजफायर करने के दावें की पोल खुल चुकी है। देखा जाए तो ट्रंप तानाशाही रवैया अपनाते हुए दुनिया के देषों को ड़राने धमकाने में लगे हुए हैं। हांलाकि चाहे टैरिफ नीति हो या उपनिवेशवादी सोच देर सबेर इसका खामियाजा अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा और गत बैठक के दौरान व्हाईंट हाउस में ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस और नोकझोंक से दुनिया के देषों में साहस का संचार हुआ है। व्हाईंट हाउस की घटना का तात्कालिक परिणाम ही यह सामने आ गया है कि यूरोप के देश एक स्वर में यूक्रेन के साथ खड़े होने लगे है तो दूसरी और अपना नया नेता चुनने पर विचार करने लगे हैं।

ट्रंप को अपने पराए की पहचान करनी होगी। यह तो भविष्य के गर्व में छिपा है कि रुस यूक्रेन युद्ध को लेकर दोनों देशों का क्या निर्णय होगा या युद्ध कब तक समाप्त होगा या सहमति के हालात बनेंगे या नहीं पर एक बात साफ हो गई है कि अमेरिका के लोगों को ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय को लेकर भरोसा नहीं है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के समय 81 प्रतिशत अमेरिकीयों को भरोसा था कि ट्रंप द्वारा जो निर्णय लिया जाएगा वह भरोसे लायक होगा। यानी कि वह सोच समझ भरा निर्णय होगा। कहने का अर्थ यह है कि अमेरिका के 81 फीसदी नागरिक यह मानकर चल रहे थे कि ट्रंप द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर लिया जाने वाला निर्णय भरोसे लायक होगा। राष्ट्रपति बनने के बाद से जिस तरह से ट्रंप द्वारा एक के बाद एक तुगलकी निर्णय लिए जा रहे हैं और जिस तरह से विश्व के देशों को धमकाना शुरु किया है उससे ट्रंप ने स्वयं के साथ ही अमेरिका की फजीयत ही अधिक कराई है। विश्व का दादा बनने के प्रयास में ट्रंप और अमेरिका दोनों की ही साख में तेजी से गिरावट आई है। ट्रंप-पुतिन मुलाकात के बाद भी साफ हो गया है कि कोई ठोस निर्णय नहीं हो पाया है और भले ही यून की जेलेंस्की को ट्रंप ने चर्चा के लिए अमेरिका बुलाया हो और बातचीत भी हुई हो पर लब्बोलुबाब तो यही रहेगा कि इस मुलाकात के बाद अमेरिका की हेटी तो साफ दिखाई दे ही रही है। इससे पहले जेलेंस्की और ट्रंप की गत मुलाकात के समय जिस तरह से अमेरिका की हेटी हुई वह भी सबके सामने हैं।

एशियाई खेलों में पदक की प्रबल दावेदार है भारतीय टेबल टेनिस टीम : हरमीत देसाई

सूरत

एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम में शामिल हरमीत देसाई का कहना है कि उनकी टीम इस बार पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। हरमीत के अनुसार भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिससे टीम प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

साथ ही कहा कि भारतीय टीम एशिया की सबसे मजबूत टीमों को भी कड़ी टक्कर देने में सक्षम है। उन्होंने कह कि अभी टीम एशियाई खेलों के लिए अभ्यास में लगी है। भारतीय पुरुष टीम में हरमीत के अलावा मानव ठक्कर, मानुष शाह, जी. साथियान और पायस जैन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हरमीत ने कहा कि उनकी टीम बेहद संतुलित होने के साथ ही बड़े मुकाबलों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने पहले भी विश्व की र्ष टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित की है। हरमीत के अनुसार, जब हमारा दिन अच्छा रहा है और फार्म साथ रही है, तब हमने बड़ी टीमों को मात दी है। इस बार भी हमारा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतना है। उन्होंने कहा कि टीम शीर्ष एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ नियमित मुकाबले खेलकर अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रही है। कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जापान, चीन और कोरियाई खिलाड़ियों का लगातार सामना करने से भारतीय खिलाड़ी उनकी तकनीक और खेल के स्तर को बेहतर तरीके से समझने लगे हैं, जिससे उनकी अपनी खेल शैली में भी काफी सुधार हुआ है। हरमीत स्वयं जर्मनी में अपने चीनी कोच फू योंग के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों की बारीकियों को समझने में मदद करता है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए पेशेवर बदलावों से भी टीम बेहतर हुई है। अहम कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज हर खिलाड़ी के पास अपनी अलग सपोर्ट टीम है, जिसमें व्यक्तिगत कोच, स्पैरिंग पार्टनर, फिजियोथेरेपिस्ट, फिजिकल ट्रेनर और डाइटीशियन शामिल हैं। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पांच-छह साल पहले अधिकांश खिलाड़ियों के पास ऐसी सुविधाएं नहीं होती थीं। इस प्रगति में सरकार की बढ़ी हुई आर्थिक मदद, कारपोरेट प्रायोजकों की एंट्री और नियमित लीगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएलः यश के अर्धशतक और परीक्षित के तीन विकेट से नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली। यश भाटिया के शानदार अर्धशतक और परीक्षित सहरावत की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में आउटर दिल्ली वारियर्स को 39 रन से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नार्थ दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 166 रन बनाए, जिसके जवाब में आउटर दिल्ली की टीम सात विकेट पर 127 रन ही बना सकी। नार्थ दिल्ली की ओर से यश भाटिया ने 38 गेंदों पर 53 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद कौशल सुमन ने 26 गेंदों पर 33 रन बनाकर उपयोगी योगदान दिया। परीक्षित सहरावत की घातक गेंदबाजी 167 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आउटर दिल्ली वारियर्स की शुरुआत खराब रही। नौवें ओवर तक टीम 47 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद हर्ष त्यागी ने आक्रामक अर्धशतक लगाकर टीम की उम्मीदें जगाईं, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से वारियर्स की पारी संभल नहीं सकी। नार्थ दिल्ली के परीक्षित सहरावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 10 रन देकर तीन विकेट लिए और एक मेडन ओवर भी डाला।

हेडिंग्ले में एक भी मैच नहीं रखे जाने पर भड़के स्टोक्स सहित कई दिग्गज

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स सहित कई अन्य दिग्गजों ने साल 2027 की एशेज सीरीज के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा है कि एक भी मैच हेडिंग्ले मैदान में नहीं रखा जाना गलत है। स्टोक्स ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के इस फैसले पर हैरानी जतायी है। उन्होंने कहा कि उत्तरी इंग्लैंड में किसी भी स्थाल को शामिल नहीं किये जाने का फैसला समझ से परे है। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर अपनी निराशा जतायी। उन्होंने लिखा, शर्मनाक कहना भी इसके लिए कम होगा। सबसे सही शब्द बेतुका कहना रहेगा। इससे पहले ईसीबी ने घोषणा की थी कि 2027 की एशेज सीरीज ट्रेंट ब्रिज, लार्ड्स, एजबेस्टन, रोज बाउल और ओवल में खेली जाएगी। इससे साफ है कि ऐतिहासिक हेडिंग्ले और ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम दोनों को इस सीरीज से बाहर कर दिया गया है, जिससे यहां के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों को निराशा हई है। स्टोक्स से पहले। टेस्ट टीम के कप्तान जो रूट ने भी उत्तरी स्थल को बाहर किए जाने के फैसले की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि हेडिंग्ले में इंग्लैंड का रिकार्ड शानदार रहा है, जहां टीम ने लगातार सात टेस्ट मैच जीते हैं, जो उसकी ऐतिहासिक महत्वता को दर्शाता है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने भी इस फैसले पर सवाल उठाए।

ओलंपियन निशानेबाज सरबजोत को देखकर अंबाला में निशानेबाजी का रुझान बढ़ा

अंबाला। हरियाणा के अंबाला शहर में आजकल युवाओं के बीच निशानेबाजी का रुझान बढ़ा है। इसका कारण यहां से निकले निशानेबाज सरबजोत सिंह को पेरिस ओलंपिक में मिली सफलता है। इससे एक समय जहां यहां के युवा पहलवान बनना चाहते थे। वहीं अब निशानेबाज बनना चाहते हैं। इसी कारण अंबाला की विभिन्न निशानेबाजी अकादमियों में बच्चों और युवाओं की भी भीड़ बढ़ रही है। अब यहां के उभरते हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करना चाहते हैं। वहीं अभिभावक भी अपने बच्चों में बढ़ती रुचि को देखते हुए उन्हें निशानेबाज की बारीकियां सीखने के लिए अकादमियों तक लेकर पहुंच रहे हैं। यह दिखाता है कि अब निशानेबाज को केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक करियर विकल्प के तौर पर भी देखा जा रहा है। वहीं सरबजोत सिंह के कोच अभिषेक राणा भी अंबाला में अपनी अकादमियों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए तैयार करना ही नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासन, एकाग्रता और सही दिशा देना भी है, जो किसी भी खेल और जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे मानते हैं कि एक संतुलित दृष्टिकोण ही खिलाड़ियों को लंबी रेस का घोड़ा बनाता है।

503 रन के जवाब में श्रीलंका के 8 रन पर 2 विकेट

दो दिन में ही भारत ने कसा शिकंजा, ध्रुव जुरेल का ऐतिहासिक नाबाद शतक

कोलंबो, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच में दो दिन का खेल समाप्त हो चुका है। श्रृंखला में पहले ही 1-0 से आगे चल रही भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में भी अपना दबदबा कायम रखा है। भारतीय टीम ने पहली पारी 9 विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित कर दी। पहले दिन 5 विकेट पर 300 रन बनाने वाली भारतीय टीम ने दूसरे दिन ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल की शानदार पारियों के दम पर अपना स्कोर 500 के पार पहुंचाया।

तीन ओवर में श्रीलंका के दो विकेट गिरे

भारत के 503 रन के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी घोषित करने के बाद भारतीय टीम के पास दिन का खेल समाप्त होने से पहले श्रीलंका के कुछ विकेट हासिल करने का मौका था और भारतीय गेंदबाजों ने इसे भुना भी लिया।

पारी के दूसरे ही ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने लाहिरू उदारा को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मानव सुथार ने भी एक विकेट हासिल कर श्रीलंका को दबाव में ला दिया। दिन की अंतिम गेंद पर नाइट वॉचमैन के रूप में बल्लेबाजी करने आए प्रभात जयसूर्या को मानव सुथार ने 2 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने 3 ओवर में 2 विकेट खोकर 8 रन बना लिए थे।

टीम इंडिया की शानदार बल्लेबाजी

रविवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 37 रन के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गंवा दिया। राहुल 33 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने मोर्चा संभाला। पडिक्कल ने यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी की। जायसवाल 53 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद पडिक्कल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन की शानदार साझेदारी कर भारत का स्कोर 186 रन तक पहुंचाया। गिल 6 चौकों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए।

ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन वह केवल 15 गेंदों का सामना कर सके। 58वें ओवर के दौरान लाहिरू कुमारा की गेंद पंत की बाएं हाथ की कलाई पर लगी। तेज दर्द के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। उस समय पंत के खाते में केवल 3 रन थे।पंत के स्थान पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने टीम के स्कोर में 43 रन का योगदान दिया। पहले दिन के खेल की समाप्ति से पहले पडिक्कल भी आउट हो गए। उन्होंने 12 चौकों की मदद से 117 रन की शानदार पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 85 ओवर में 5 विकेट खोकर 300 रन बना लिए थे।

दूसरे दिन पंत और जुरेल ने किया कमाल

दूसरे दिन के पहले सत्र में ऋषभ पंत एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ मिलकर 112 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। हालांकि दूसरे सत्र की पहली ही गेंद पर पंत केशरा नुवानथा का शिकार बन गए। 112.1 ओवर में आउट होने के समय पंत ने 63 रन बनाए थे। उनकी पारी में 2 छक्के और 4 चौके शामिल रहे।इसके बाद 125वें ओवर की चौथी गेंद पर भारत ने मानव सुथार का विकेट गंवाया। सुथार ने 18 रन बनाए। भारत ने 131.2 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 475 रन बना लिए थे। इसी बीच बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

खेल दोबारा शुरू होने के बाद 137वें ओवर की पहली गेंद पर मोहम्मद सिराज 3 रन बनाकर आउट हुए। सिराज और ध्रुव जुरेल के बीच 31 रन की साझेदारी हुई। इसके 11 गेंद बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी घोषित कर दी।

ध्रुव जुरेल ने ठोका करियर का दूसरा शतक

ध्रुव जुरेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से नाबाद 115 रन बनाए। प्रसिद्ध कृष्णा ने 7 गेंदों में 4 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 विकेट हासिल किए। प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा को 2-2 विकेट मिले, जबकि लाहिरू कुमारा ने 1 विकेट हासिल किया।

भारत की पारी घोषित होने के बाद श्रीलंका की ओर से लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा पारी की शुरुआत करने उतरे। उदारा ने मोहम्मद सिराज की केवल दो गेंदों का सामना किया था कि बारिश के कारण खेल फिर रोकना पड़ा। इसके बाद खेल शुरू होने पर श्रीलंका के दो विकेट जल्दी गिर गए और दिन का खेल 8 रन पर 2 विकेट के स्कोर पर समाप्त हुआ।

जुरेल ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ और ऐतिहासिक नाबाद 115 रन की पारी खेली। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए लगाए गए इस जुझारू शतक के दौरान जुरेल ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए।

श्रीलंका में निचले क्रम यानी सातवें या उससे नीचे के नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव जुरेल की नाबाद 115 रन की पारी किसी भी विदेशी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इस सूची में न्यूजीलैंड के दिग्गज रिचर्ड हैडली 151 रन नाबाद के साथ पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 1987 में यह कारनामा किया था। इसके बाद डेनियल विटोरी 140 रन और पाकिस्तान के सलमान आगा 132 रन नाबाद के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में विदेशी मैदानों पर सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए जुरेल का नाबाद 115 रन का स्कोर भारत की ओर से सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया है। उन्होंने नितीश कुमार रेड्डी के ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में 2024 में बनाए गए 114 रन और रविंद्र जडेजा के इंग्लैंड के बर्मिंघम में 2022 में बनाए गए 104 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

श्रीलंका में सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले ध्रुव जुरेल केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि हार्दिक पंड्या के नाम थी। पंड्या ने 2017 में पल्लेकेले टेस्ट में 108 रन की आक्रामक पारी खेली थी। विदेशी धरती पर भारत के लिए सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाजों के क्लब में भी जुरेल शामिल हो गए हैं। वह विदेशी टेस्ट मैचों में सातवें नंबर पर शतक लगाने वाले भारत के कुल नौवें बल्लेबाज बन गए हैं।

नाइटक्लब के बाहर हथकड़ी में दिखे ब्राइडन कार्स, इंग्लैंड ने शुरु की जांच

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स को काउंटी चैम्पियनशिप में जीत के बाद जश्न मनाना भारी पड़ता दिख रहा है। इस दौरान हुए झगड़े के बाद का एक वीडियो आया है। इसमें कार्स को डरबी के एक नाइटक्लब के बाहर पुलिस अधिकारियों से घिरे हुए और हाथों में हथकड़ी पहने देखा गया। वायरल हुए इस वीडियो में, कार्स को नाइटक्लब के बाहर उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू पाट्स और बेन स्टोक्स के साथ देखा गया। पाट्स इस दैरान उनसे बात करने का भी प्रयास कर रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी उन्हें घेरे हुए थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कार्स को हिरासत में लिया गया था पर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ब्राइडन किस विवाद में फंसे थे। इस घटना पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच भी शुरू कर दी है। ईसीबी ने एक बयान जारी कर पुष्टि की है कि उन्हें डरबी में हुई इस घटना की जानकारी है और वे इसके बारे में पता कर रहे हैं। गौरतब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए कप्तान जो रूट ने हाल ही में खिलाड़ियों से कहा था कि वे इस प्रकार से काम करें कि दूसरो के लिए आदर्श बनकर उभरें। कार्स इस समय पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दल में शामिल हैं, पर उन्हें पहले टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी।

अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल में अल्काराज-सेरेना की भिड़ंत क्वालीफायर से जोकोविच-सबालेन्का के सामने टियाफो-फर्नांडीज

न्यूयार्क

अमेरिकी ओपन 2026 के मिश्रित युगल मुकाबलों का ड्रा जारी हो गया है। कार्लोस अल्कराज और सेरेना विलियम्स की जोड़ी पहले दौर में एक क्वालीफायर जोड़ी का सामना करेगी। वहीं शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच और आर्यना सबालेन्का के सामने फ्रांसिस टियाफो और लेयला फर्नांडीज की जोड़ी होगी।

अल्कराज और सेरेना को 16 टीमों के इस मिश्रित युगल टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। सेरेना 2022 के बाद पहली बार अमेरिकी ओपन में वापसी करेंगी। वहीं अल्कराज भी इस विशेष प्रारूप में उनके साथ कोर्ट पर नजर आएंगे।

क्वालीफायर के खिलाफ मुकाबला अल्कराज और सेरेना के लिए आसान नहीं माना जा रहा है, क्योंकि क्वालीफाइंग दौर से आने वाली जोड़ियों में विशेषज्ञ युगल खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। इस साल टूर्नामेंट में क्वालीफाइंग प्रतियोगिता को शामिल किया गया है।

जोकोविच-सबालेन्का के सामने टियाफो-फर्नांडीज - शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच और सबालेन्का पहले दौर में वाइल्ड कार्ड प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और लेयला फर्नांडीज से भिड़ेंगे।

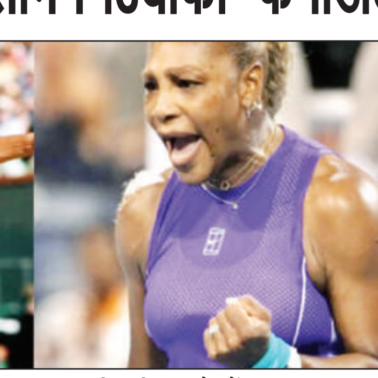

अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और टेलर फ्रिट्ज के सामने डायना श्नाइडर और कैस्पर रूड की चुनौती होगी। वहीं दो बार की मौजूदा चैंपियन सारा इरानी और आंद्रेआ वावासोरी की जोड़ी पहले दौर में मिर्रा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव से खेलेगी।

अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल ड्रा

- नोवाक जोकोविच/आर्यना सबालेन्का बनाम फ्रांसिस टियाफो/लेयला फर्नांडीज
- गाएल मोनफिल्स/एलीना स्वितोलिना बनाम फेलिक्स आजे-अलियासिम/एलेक्जेंड्रा एला
- बेलिंडा बेनसिच/फ्लावियो कोबोली बनाम अलेक्जेंडर ज्वेरेव/टेलर टाउनसेंड
- कार्लोस अल्कराज/सेरेना विलियम्स बनाम क्वालीफायर
- याकूब मेन्सिक/करोलिना मुचोवा बनाम क्वालीफायर
- टामी पाल/एमा नवारो बनाम लर्नर टीएन/अमांडा अनिसिमोवा
- आंद्रे रुबलेव/मिर्रा आंद्रीवा बनाम आंद्रेआ वावासोरी/सारा इरानी
- कैस्पर रूड/डायना श्नाइडर बनाम टेलर फ्रिट्ज/जेसिका पेगुला

असम प्रीमियर लीग के क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा देने से स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मजबूत मंच

गुवाहाटी

असम प्रीमियर लीग के पहले सत्र का समापन को बरपेटा ब्रेव्स के चैंपियन बनने के साथ हुआ। फाइनल में बरपेटा ब्रेव्स ने गुवाहाटी रायल्स को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टीसीएम स्पोर्ट्स की इस लीग ने अपने पहले ही सत्र में असम की उभरती क्रिकेट प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान किया।

पहले सत्र में कई युवा खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। डेनिश दास ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद दलीप ट्राफी टीम में जगह बनाई। दलीप ट्राफी के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने असम प्रीमियर लीग में शतक भी लगाया। रोहित सेन, बस्तब राय, शुभम कुमार गुप्ता और आयुष्मान मलाकर ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

लीग में असम की आठ टीमों के करीब 150 खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। इस दौरान आईपीएल की टीमों कोलकाता

नाइट राइडर्स और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्रतिभा खोजकर्ता हर मुकाबले में मौजूद रहे। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास की मौजूदगी ने भी लीग में बढ़ती दिलचस्पी को रेखांकित किया।

फाइनल देखने पहुंचे 25 हजार से अधिक दर्शक

टूर्नामेंट में कई बड़े स्कोर, 200 से अधिक रन के सफल लक्ष्य का पीछा और आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबले को 25 हजार से अधिक दर्शकों ने स्टेडियम में बैठकर देखा, जो असम में लीग की लोकप्रियता का प्रमाण रहा।

असम क्रिकेट संघ के अध्यक्ष तरंगा गोगोई ने कहा कि असम प्रीमियर लीग राज्य में क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में मौजूद प्रतिभाओं को नियमित प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अवसर देना उनके विकास के लिए बेहद जरूरी है।

सोशल मीडिया पर भी मिली बड़ी सफलता

असम प्रीमियर लीग को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पूरे टूर्नामेंट के दौरान लीग से जुड़े कंटेंट को 10 करोड़ से अधिक आर्गेनिक व्यूज मिले। खास बात यह रही कि यह पहुंच बिना मीडिया खर्च, इन्फ्लुएंसर अभियान या बड़ी सोशल मीडिया फालोइंग वाले खिलाड़ियों पर निर्भरता के हासिल हुई। व्यावसायिक स्तर पर भी लीग ने पहले सत्र में मजबूत शुरुआत की। अलग-अलग क्षेत्रों से 14 प्रायोजक और साझेदार लीग से जुड़े, जिससे इसके भविष्य में व्यावसायिक विस्तार की उम्मीद बढ़ी है। टीसीएम स्पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक लोकेश शर्मा ने कहा कि असम प्रीमियर लीग ने राज्य के लोगों को अपनी खुद की लीग का अनुभव दिया और युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का मंच प्रदान किया। उन्होंने डेनिश दास, रोहित सेन, बस्तब राय, शुभम कुमार गुप्ता और आयुष्मान मलाकर के प्रदर्शन को विशेष रूप से उत्साहजनक बताया। टीसीएम स्पोर्ट्स असम के अलावा तेलंगाना में टीजी-20 और कर्नाटक में महाराजा ट्राफी जैसी लीगों के जरिए देश के विभिन्न राज्यों में क्रिकेट के क्षेत्रीय ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को विश्वसनीय मंच और नियमित प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सावन की उमंग के साथ 'कवित भाव सरित प्रवाह' का लोकार्पण

युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच की छब्बीसवीं काव्य गोष्ठी में रचनाकारों ने बांधा साहित्यिक समां

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (पंजीकृत न्यास), आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा की छब्बीसवीं साहित्यिक गोष्ठी 23 अगस्त 2026, रविवार को दोपहर 3 बजे श्रीमती शकुंतला मिश्रा के निवास स्थान पर आयोजित की गई। सावन की उमंग और साहित्यिक वातावरण से सराबोर इस गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक प्रो. ऋषभ शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. रेखा शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव सिंह नयन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रदेश अध्यक्षा डॉ. रमा द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों का शब्द-पुष्पों से स्वागत किया।इस अवसर पर युवा कवयित्री सरिता दीक्षित की सद्यःप्रकाशित प्रथम काव्यकृति 'कवित भाव सरित प्रवाह' का लोकार्पण किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि काव्य मनुष्य के भावों की सहज और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। 'कवित भाव सरित प्रवाह' में कवयित्री ने जीवन के विविध अनुभवों, संवेदनाओं और मानवीय भावनाओं को सरल, सरस एवं भावपूर्ण शब्दों में अभिव्यक्त किया है। संग्रह की कविताएं पाठकों को आत्मीयता का अनुभव कराने के साथ-साथ सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील भी बनाती हैं।

उपस्थित सभी रचनाकारों ने कवयित्री सरिता दीक्षित को उनके प्रथम काव्य संग्रह के प्रकाशन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित रचनाकारों ने विविध विषयों पर अपनी स्वरचित सुंदर एवं सरस रचनाओं का काव्य पाठ किया। उनकी प्रस्तुतियों ने साहित्यिक वातावरण को भावपूर्ण एवं मनमोहक बना दिया।

प्रो. ऋषभ देव, प्रो. रेखा शर्मा, डॉ. राजीव नयन, दर्शन सिंह, कर्नल दीपक दीक्षित, रश्मि तिवारी, शकुंतला मिश्रा, सुरभि दत्त, शिल्पी भटनागर, सरिता दीक्षित, डॉ. रमा द्विवेदी, श्रद्धा त्रिपाठी तथा स्वाति बालुरकर ने अपनी रचनाओं से सावन के उपलक्ष्य में आयोजित इस काव्य गोष्ठी में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम में दीपक कुमार दीक्षित, जयंत कुमार मिश्रा, डिंपल मिश्रा, मिलन मिश्रा तथा दरई रूपा माया की उपस्थिति श्रोता के रूप में रही। सभी ने साहित्यिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ तृप्ति मिश्रा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर किया। कार्यक्रम का संचालन शिल्पी भटनागर ने किया। अंत में डॉ. सुरभि दत्त एवं मंच की प्रदेश अध्यक्षा डॉ. रमा द्विवेदी ने सभी अतिथियों, रचनाकारों एवं श्रोत-ाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर साहित्य, काव्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के प्रति समर्पित साहित्यकारों की सहभागिता ने गोष्ठी को यादगार बना दिया।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं राहगीरों को श्रद्धापूर्वक अन्नदान किया गया। कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलालजी गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान सेवा परंपरा है। जरूरतमंद व्यक्ति तक भोजन पहुंचाना मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी सेवा भावना के साथ नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रम आयोजित कर समाज में सेवा और सहयोग का संदेश दे रहा है। मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलालजी गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। सेवा का उद्देश्य केवल अन्न उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति करुणा, अपनापन और सहयोग की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी सहयोग करते हुए अन्नदान की व्यवस्था को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। सभी ने कहा कि सामूहिक सहभागिता से सेवा का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है और मानवता की सेवा के ऐसे कार्य भविष्य में भी जारी रहेंगे।

छात्रवृत्ति की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। लंबित फीस प्रतिपूर्ति और 15 हजार करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति तत्काल जारी करने की मांग को लेकर पेद्दापल्ली में भाजपा ने जिला अध्यक्ष करे संजीव रेड्डी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव की 48 घंटे की प्रस्तावित भूख हड़ताल के समर्थन में किया गया।

राज्य भाजपा ओबीसी मोर्चा की उपाध्यक्ष कंदुला संध्यारानी और जिला अध्यक्ष करे संजीव रेड्डी ने सरकार पर छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति में देरी करने का आरोप लगाया।

सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीमाली ब्राह्मण ब्रह्मा रामायण मंडल की ओर से कोत्तापेट, हैदराबाद में सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया।

इस अवसर पर प्रसिद्ध पंडित मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली) के सान्निध्य में सुंदरकांड का सामूहिक पाठ किया गया। मंडल के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में भक्तगण भी आयोजन में शामिल हुए और भगवान श्रीराम एवं हनुमानजी की भक्ति में लीन होकर सुंदरकांड का पाठ किया।

सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरे वातावरण में जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पाठ कर सुख-शांति, समृद्धि एवं परिवार के मंगल की कामना की।

मदनूर मंडल को निजामाबाद जिले में शामिल करने की मांग

मदनूर, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के स्थानीय लोगों ने सोमवार को प्रज्ञा वाणी में आवेदन प्रस्तुत कर मदनूर मंडल को पुनः निजामाबाद जिले में शामिल करने की मांग की। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूर्व में मदनूर मंडल निजामाबाद जिले का हिस्सा था, लेकिन तत्कालीन तेलंगाना सरकार द्वारा नए कामारेड्डी जिले के गठन के दौरान मदनूर मंडल को कामारेड्डी जिले में शामिल कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मदनूर से कामारेड्डी की दूरी करीब 110 किलोमीटर, जबकि निजामाबाद की दूरी लगभग 70 किलोमीटर है। ऐसे में मदनूर मंडल के लोगों के लिए जिला मुख्यालय से संबंधित शैक्षणिक, चिकित्सा एवं विभिन्न सरकारी कार्यालयों के कामकाज के लिए निजामाबाद जिला अधिक सुविधाजनक एवं सुलभ है।लोगों का कहना है कि कामारेड्डी जिला मुख्यालय तक आने-जाने में अधिक समय और आर्थिक खर्च लगता है। इसके कारण विद्यार्थियों, मरीजों, किसानों तथा आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित अधिकारियों एवं राज्य सरकार से आग्रह किया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए मदनूर मंडल को पुनः निजामाबाद जिले में शामिल करने पर विचार किया जाए।उन्होंने कहा कि निजामाबाद से भौगोलिक निकटता और वहां उपलब्ध शैक्षणिक, चिकित्सा तथा प्रशासनिक सुविधाओं को देखते हुए मदनूर मंडल को निजामाबाद जिले में शामिल करने से क्षेत्र की जनता को काफी राहत मिलेगी।

राखी ने प्रेम और आत्मीयता को किया और मजबूत

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा स्थित तातेड निवास में रक्षाबंधन का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं पारिवारिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाई-बहनों ने एक-दूसरे की कलाई पर राखी बांधकर प्रेम, स्नेह और आपसी विश्वास के इस पवित्र रिश्ते को और मजबूत किया तथा एक-दूसरे के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक पर्व है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना करती हैं, वहीं भाई भी अपनी बहनों के प्रति प्रेम एवं स्नेह व्यक्त करते हैं।इस अवसर पर पुष्पाबेन-रमेश पी. तातेड, चंदनबाला-डॉ. श्रवणजी मोदी, पूनम-रीतेश तातेड, रीना-तपन तातेड, दीप्ति-डॉ. विवेक मोदी, डिंपल-विनय मोदी एवं कृति उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को राखी बांधी और रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

पूरे परिवार में दिनभर खुशी एवं उत्साह का वातावरण रहा। सभी ने मिलकर पर्व की खुशियां साझा कीं और पारिवारिक एकता, प्रेम एवं भाईचारे का संदेश दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ममता...

उन्होंने कहा, जब आप सम्मान हासिल नहीं कर सकते, तो डर पैदा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी की धमकी और डराने-धमकाने की राजनीति केवल उसकी अपनी असुरक्षा को उजागर करती है।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक विरोधियों को डराने के बजाय लोकतांत्रिक तरीके से राजनीतिक मतभेदों का सामना किया जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच जुबानी टकराव तेज होने के संकेत हैं।

मायके जाने के...

मामले पर अदालत की तीन अहम टिप्पणियां

पहली टिप्पणी: पति अपनी पत्नी को अपनी इच्छा और उम्मीदों के मुताबिक रहने के लिए दबाव में नहीं डाल सकता। विवाह किसी व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति की पहचान, स्वतंत्रता और इच्छा को नियंत्रित करने, आदेश देने या दबाने का अधिकार नहीं देता।दूसरी टिप्पणी: परिवार के प्रति पत्नी की लगन को उसकी आज्ञाकारिता और दबकर रहने के आधार पर नहीं आंका जा सकता।तीसरी टिप्पणी: केवल महिला होने के कारण उसकी स्वतंत्रता छीनने या उसे रोकने की कोई भी कोशिश उसके अधिकारों के खिलाफ है।

9 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का आदेश बरकरार

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ तुमकुरु पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसके तहत उसे हर महीने 9 हजार रुपये गुजारा भत्ता देना है। इसमें पत्नी के लिए 5 हजार रुपये और नाबालिग बेटी के लिए 4 हजार रुपये शामिल हैं।

अदालत ने कहा कि मौजूदा महंगाई को देखते हुए यह राशि भी पर्याप्त नहीं है। पति इसी राशि को और कम कराने के लिए हाईकोर्ट पहुंचा था। हालांकि, अदालत ने कहा कि मामले में पारिवारिक न्यायालय के आदेश को रद्द करने या उसमें बदलाव करने का कोई आधार नहीं है। अदालत की टिप्पणियों में विवाह के भीतर व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समान जिम्मेदारी और महिलाओं के अधिकारों पर जोर दिया गया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि विवाह किसी महिला की स्वतंत्र इच्छा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समाप्त नहीं करता।

भारत के...

दिसंबर 2025 में तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज की ओर से पाकिस्तान वायुसेना को अंका-3 की पेशकश किए जाने का भी उल्लेख किया गया है। इसमें एसओएम-जे पोत-रोधी मिसाइलें लगाए जाने की संभावना का दावा किया गया है। इस मिसाइल की गति लगभग 0.7 मैक और अधिकतम भार क्षमता 1,500 किलोग्राम बताई गई है। इसे 10 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम बताया जाता है। वायु रक्षा प्रणालियों को भ्रमित करने के लिए सुपर सिमसेक सामरिक ड्रोन के इस्तेमाल की संभावना का भी जिक्र है। विश्लेषण में भारत की पश्चिमी सैन्य कमान और समुद्री व्यापार मार्गों पर संभावित ध्यान केंद्रित किए जाने की बात कही गई है।

चीन से क्या भेजे जाने का दावा?

चीनी वाई-20 सैन्य परिवहन विमानों के जरिए एचक्यू-9 और एचक्यू-16 वायु रक्षा प्रणालियों की बैटरियां भेजे जाने का दावा किया गया है। हालांकि, इनके आगे खाड़ी देशों को आपूर्ति किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

इसके अलावा जे-10सीई और जेएफ-17 लड़ाकू विमानों तथा वीटी-4 और अल-खालिद टैंकों के लिए उन्नत उपकरण और अतिरिक्त कलपुर्जे भेजे जाने का भी दावा किया गया है।

क्या है पाकिस्तान का संभावित मकसद?

इस विश्लेषण को मुख्य रूप से दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले हिस्से में पाकिस्तान को संभावित सिंदूर-2 जैसे टकराव के लिए दोबारा हथियारों और उन्नत तकनीक से लैस किए जाने की संभावना जताई गई है। इसमें तुर्की और चीन दोनों की ओर से उपग्रह संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकी सहयोग का दावा किया गया है। विश्लेषण में यह भी कहा गया है कि तुर्की अपने नए उपकरणों का परीक्षण करना चाहता है, जबकि चीन पाकिस्तान के माध्यम से भारतीय युद्ध रणनीति पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों को प्रशिक्षित करना चाहता है। चूंकि चीन की भारत के साथ हिमालयी सीमा है, इसलिए ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संभावित टकराव के दौरान भारतीय पहाड़ी युद्ध रणनीति से संबंधित आंकड़े हासिल करने की संभावना जताई गई है। हालांकि, यह दावा भी आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं है।

खाड़ी के रक्षा बाजार पर भी नजर

दूसरे हिस्से में खाड़ी क्षेत्र के रक्षा बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की रणनीति की बात कही गई है। अमेरिका की वायु रक्षा और मिसाइल भंडार में कमी के दावों के बीच तुर्की और चीन इस स्थिति का लाभ उठाना चाहते हैं, ऐसा विश्लेषण में कहा गया है।

पाकिस्तान-सऊदी अरब-तुर्की त्रिपक्षीय समझौते के बाद चीन द्वारा पाकिस्तान के माध्यम से अपने रक्षा उत्पादों को आगे बढ़ाने का दावा भी किया जा रहा है। इसके पीछे यह तर्क दिया गया है कि पाकिस्तान इस समझौते का साझेदार है और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान एचक्यू-9 तथा एचक्यू-16 प्रणालियों के प्रदर्शन से संबंधित आंकड़ों को दुनिया भर में प्रचारित कर रहा है।

पाकिस्तान सेना की मंशा को लेकर भी दावे

बलूचिस्तान, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और खैबर क्षेत्र में चल रहे आंतरिक संकटों ने पाकिस्तान की स्थिरता को प्रभावित किया है। विश्लेषण में भारत के साथ संभावित टकराव की स्थिति से पाकिस्तान को तीन संभावित फायदे मिलने का दावा किया गया है।

पहला, चीन और तुर्की से प्राप्त हथियारों को खाड़ी देशों तथा लीबिया के हफ्तर गुट को बेचकर हथियार व्यापारी के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करना।

दूसरा, भारत की महंगी सैन्य प्रणालियों के खिलाफ बिना व्यापक परीक्षण के नए हथियारों को आजमाना।

तीसरा, आंतरिक आपातकाल लागू कर देश के भीतर चल रहे संघर्षों को दबाना।

इसी विश्लेषण में आसिम मुनीर के सत्ता में आने या राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव की संभावना का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, ये सभी बातें उड़ान संबंधी आंकड़ों, हथियारों की क्षमताओं और रणनीतिक अनुमानों पर आधारित विश्लेषण हैं।

आधिकारिक पुष्टि नहीं, सतर्कता जरूरी

पाकिस्तान में चीनी और तुर्की सैन्य विमानों की आवाजाही से जुड़े इन दावों में वास्तविक आपूर्ति, उसके उद्देश्य और संभावित प्रभाव की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। ऐसे में इन दावों को पुष्ट तथ्य के बजाय उपलब्ध उड़ान गतिविधियों, हथियार प्रणालियों की घोषित क्षमताओं और रणनीतिक अनुमानों पर आधारित विश्लेषण के रूप में देखना जरूरी है। भारत के लिए यह स्थिति सतर्कता बरतने का संकेत हो सकती है, लेकिन सैन्य गतिविधियों और संभावित हथियार आपूर्ति से संबंधित किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले आधिकारिक तथा विश्वसनीय स्रोतों से इसकी पुष्टि करना आवश्यक है।

वन नेशन...

बीच में कम करना सीधे तौर पर संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन होगा।कांग्रेस नेता ने समिति से कहा कि उनकी अंतरात्मा इन विधेयकों का समर्थन करने की अनुमति नहीं देती। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार के पास संसद में इस कानून को पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं है।

समिति की सदस्य और तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने भी विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह कानून चुनाव आयोग को बेकाबू अधिकार दे देगा।

विधेयक पर अलग-अलग राय

भारतीय जनता पार्टी के सांसद पी.पी. चौधरी की अध्यक्षता वाली इस समिति के सामने तरलोचन सिंह, नवीन खन्ना, मीनाक्षी जैन और नीरू कुमार समेत करीब 10 पद्म पुरस्कार विजेताओं का एक समूह भी अलग से पेश हुआ। सुनवाई के दौरान कुछ पद्म पुरस्कार विजेताओं ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का समर्थन किया। वहीं, कुछ ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इससे देश में अव्यवस्था और अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है।

1951 से 1967 तक एक साथ होते थे चुनाव

बता दें कि 1951 से 1967 तक भारत में लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही आयोजित होते थे। हालांकि, 1968 और 1969 में कुछ राज्य विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण यह व्यवस्था बदल गई। इसके बाद से देश में अलग-अलग समय पर चुनाव कराने की व्यवस्था चली आ रही है। दिसंबर 2024 में इन विधेयकों को लोकसभा में पेश किया गया था। इसके बाद इन्हें विस्तृत जांच और विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया। ये विधेयक पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के बाद तैयार किए गए थे। एक राष्ट्र, एक चुनाव व्यवस्था के समर्थकों का तर्क है कि इससे बार-बार होने वाले चुनावों पर खर्च और प्रशासनिक संसाधनों का दबाव कम होगा, जबकि विरोधी दलों की ओर से इसके संवैधानिक, संघीय ढांचे और राज्यों की स्वायत्तता से जुड़े पहलुओं पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

एक डॉलर...

इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से रियायतें हासिल नहीं कर पाए हैं। ईरान अब भी होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाले समुद्री परिवहन पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है। यह एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जहां युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के कारोबार किए जाने वाले तेल का करीब पांचवां हिस्सा स्वतंत्र रूप से गुजरता था। युद्ध के दौरान ईरानी हमलों और धमकियों ने इस मार्ग से होने वाले यातायात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य के दूसरी तरफ स्थित ओमान कथित तौर पर इस जलमार्ग के संयुक्त प्रबंधन की योजना पर अंतिम चरण में बातचीत कर रहे हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों के मुताबिक, इस योजना में जहाजों के लिए फारस की खाड़ी में ईरान के नियंत्रण वाले मार्ग से प्रवेश करने और ओमान के नियंत्रण वाले मार्ग से बाहर निकलने की व्यवस्था शामिल होगी।

ओमान को भी धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी ओमान की कड़ी आलोचना की है और धमकी दी है कि अगर ओमान रास्ते में आता है तो अमेरिका उस पर बमबारी करेगा। ओमान के विदेश मंत्री मंगलवार को नई बातचीत के लिए ईरान का दौरा करने वाले थे। ईरान के साथ गतिरोध खत्म करने की कोशिश के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को पहले से लागू प्रतिबंधों से भी कड़े प्रतिबंधों की घोषणा का वादा किया था। इनमें उन देशों पर द्वितीयक प्रतिबंध भी शामिल होंगे, जो ईरान के साथ कारोबार जारी रखते हैं।

बेसेंट ने रविवार को फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित एक लेख में लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की अर्थव्यवस्था को उस स्तर तक तबाह कर दिया है, जहां रियाल कभी इतना कमजोर नहीं रहा और महंगाई शायद ही कभी इतनी अधिक रही हो।

उन्होंने आगे कहा, अब शासन का अंतिम सहारा उन भयभीत देशों का आत्म-छल है, जो अब भी मानते हैं कि आक्रामकता को स्वीकार करने से स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सकती है।पिछले सप्ताह संयुक्त अरब अमीरात ने घोषणा की थी कि वह ईरान के साथ सभी व्यापार को निलंबित कर रहा है। यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के नेता शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को फोन करने के एक दिन बाद की गई थी।

5 सितंबर को....

वापस लेने की प्रतिबद्धता को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया गया है।

पार्टी का कहना है कि सरकार लगातार देरी कर रही है और अपने आश्वासनों को पूरा करने से बच रही है। इसी के चलते कॉकरोच जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने शांतिपूर्ण आंदोलन फिर से शुरू करने का फैसला किया है।

5 सितंबर को कॉकरोच जनता पार्टी नई दिल्ली में इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक शांतिपूर्ण युवा मार्च निकालेगी। पार्टी के अनुसार, इसका नेतृत्व मृत नीट पीड़ितों और पुलिस बर्बरता के पीड़ितों के परिवार करेंगे।

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में लिया गया फैसला

इससे पहले 23 अगस्त को कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा था कि वह सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक करेगी। बैठक में 25 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लिए जाने के बाद केंद्र सरकार की ओर से किए गए वादों की स्थिति की समीक्षा की जानी थी।

पार्टी ने कहा था कि सरकार ने अपने आश्वासनों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में अब तक औपचारिक रूप से जानकारी नहीं दी है। इसके बाद राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में सरकार पर दबाव बनाने के लिए आगे की रणनीति पर विचार किया गया और शांतिपूर्ण आंदोलन फिर शुरू करने का फैसला लिया गया।

प्राथमिकी वापस लेने की मांग प्रमुख मुद्दा

कॉकरोच जनता पार्टी का कहना है कि 25 जुलाई को युवाओं के आंदोलन को वापस लेने के पीछे सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन महत्वपूर्ण थे। पार्टी विशेष रूप से छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की मांग को प्रमुख मुद्दा बता रही है।

पार्टी ने कहा है कि उसकी ओर से आंदोलन को शांतिपूर्ण रखा जाएगा और 5 सितंबर का मार्च युवाओं तथा प्रभावित परिवारों की मांगों को सामने रखने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा।

देशभर के युवाओं से शामिल होने की अपील

कॉकरोच जनता पार्टी ने छात्रों, युवा संगठनों और देशभर के युवा नागरिकों से 5 सितंबर को दिल्ली पहुंचकर मार्च में शामिल होने की अपील की है। पार्टी के मुताबिक, मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा।

यह संगठन पहले भी नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर चुका है। अब 5 सितंबर को प्रस्तावित मार्च के जरिए पार्टी केंद्र सरकार पर 25 जुलाई को किए गए कथित आश्वासनों को पूरा करने के लिए दबाव बनाने की कोशिश करेगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 25 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा के उपाकर्म महोत्सव की तैयारियां ज़ोरों पर

विभिन्न समितियों का गठन, 28 अगस्त को हरिप्रिया पुष्करणी में होगा भव्य श्रावणी उपाकर्म महोत्सव

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से खेमदास मठ, चूड़ी बाजार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक सभा अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला के सान्निध्य में तथा प्रधान संयोजक महेश अवस्थी की अध्यक्षता में हुई। गायत्री वंदना के पश्चात महामंत्री रामदेव नागला ने आगामी 28 अगस्त 2026, शुक्रवार को श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर स्थित हरिप्रिया पुष्करणी में आयोजित होने वाले श्रावणी उपाकर्म महोत्सव की विस्तृत जानकारी दी।

पंचकुंडीय महायज्ञ सहित होंगे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान

रामदेव नागला ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म के अवसर पर दशविधि स्नान, गायत्री पूजा, यज्ञोपवीत पूजा, पंचकुंडीय महायज्ञ सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। ये अनुष्ठान अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज, हरिद्वार के प्रसिद्ध पुरोहितों द्वारा हैदराबाद शाखा के प्रमुख गोकुलचंद उपाध्याय के सान्निध्य में संपन्न होंगे।

उन्होंने सभी विप्र बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील करते हुए कहा कि श्रावणी उपाकर्म विप्र समाज का प्रमुख धार्मिक पर्व है। प्रत्येक विप्र बंधु का दायित्व है कि अपने अन्य कार्यों को छोड़कर इस धार्मिक अनुष्ठान को प्राथमिकता दें और उपाकर्म के सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहकर अपनी सहभागिता निभाएं।

22 यज्ञोपवीत धारकों ने कराया पंजीकरण

सभा की ओर से प्रतिवर्ष नूतन यज्ञोपवीत धारण करवाने की परंपरा के तहत इस वर्ष अब तक 22 नूतन यज्ञोपवीत धारकों ने अपना पंजीकरण कराया है। इच्छुक विप्र बंधु रामदेव नागला - 6300534407 तथा सुरेश गांधी - 9030045447 से संपर्क कर अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं।

महोत्सव में रामचंद्र तिवारी, गोकुलचंद उपाध्याय, हरिनारायण व्यास, सुखदेव जोशी, शांतिलाल चांडा, सुरेश कुमार व्यास पारीक, महावीर प्रसाद शर्मा, हुक्मीचंद थानवी, गोपाल शर्मा, हरिप्रसाद रिणवा दधीच तथा रामप्रकाश ओझा सहयोगी यजमान रहेंगे।

विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए समितियों का गठन

महोत्सव को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए बैठक में विभिन्न समितियों का गठन किया गया। महेश अवस्थी, सुरेश गांधी, ओमप्रकाश शर्मा एवं दामोदर जोशी को संयुक्त संयोजक बनाया गया।

बस सेवा : 28 अगस्त को प्रातः 7:30 से 9 बजे तक श्री रामनाथ आश्रम, भगवानगंज से हरिप्रिया पुष्करणी तक निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध रहेगी।

पूजा सामग्री एवं पूजा व्यवस्था : गोकुलचंद उपाध्याय, प्रभुदयाल पांडिया, मुरलीधर तिवाड़ी एवं रामनिवास ओझा।

भोजन व्यवस्था : दामोदर ओझा, सुरेश गांधी, मुकेश सांडिल्य, रामेश्वर लाल जोशी एवं श्रीलाल पारीक।

प्रचार-प्रसार : संदीप जायलवाल, विजयकुमार शर्मा पांडिया एवं जुगल किशोर उपाध्याय।

यज्ञोपवीत पूजा एवं वितरण : मोहनलाल शर्मा, अनिल जायलवाल, रामेश्वरलाल जोशी एवं प्रभुदयाल पांडिया।

बस व्यवस्था : घनश्याम तड़बा तिवाड़ी, नितेश व्यास, प्रदीप चोटिया एवं गोपाल कृष्ण तिवाड़ी।

कार्यक्रम के दौरान छंदों के बादशाह रामनिवास पाराशर समय-समय पर अपनी अमृतवाणी में छंदों की प्रस्तुति देंगे, जिसका विप्र बंधु रसास्वादन करेंगे।

आयोजन की व्यवस्था के लिए जिम्मेदारियां तय

आयोजन को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए व्यवस्था की देखरेख की जिम्मेदारी भगवान व्यास, श्रवण कुमार दधीच, केशव शर्मा, मुरलीधर ओझा, रामबाबू कौशिक, अनिल जायलवाल, गोपाल डौबा एवं राजेंद्र शर्मा को सौंपी गई।

बैठक में सभा अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला एवं प्रधान संयोजक महेश अवस्थी ने सभी विप्र बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रावणी उपाकर्म महोत्सव को भव्य बनाने की अपील की।

बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य रहे उपस्थित

बैठक में रामदेव नागला, महेश अवस्थी, रामनिवास पाराशर, दामोदर जोशी, मोहनलाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, श्रीलाल पारीक, अनिल जायलवाल, मुरलीधर तिवाड़ी, धीरज उपाध्याय, जुगल किशोर उपाध्याय एवं विशाल शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में रामनिवास पाराशर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी विप्र बंधुओं से धार्मिक अनुष्ठान में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाने तथा वैदिक अनुष्ठानों का लाभ लेने का आग्रह किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

कविता ने स्मार्ट मीटरों का किया विरोध, मुफ्त बिजली योजनाओं पर खतरे की दी चेतावनी

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने सोमवार को तेलंगाना में स्मार्ट मीटर लगाने के प्रस्ताव का यह कहते हुए विरोध किया कि रेवंत रेड्डी सरकार केंद्र के दबाव में काम कर रही है और जनता के हितों से समझौता कर रही है।बंजारा हिल्स स्थित टीआरएस पार्टी कार्यालय से जारी एक वीडियो बयान में सुश्री कविता ने दावा किया कि सरकार स्मार्ट मीटर लगाने की केंद्र सरकार की योजना में शामिल हो गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम से व्यावसायिक घरानों हितों को फायदा होगा, जबकि उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ेगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती लीला देवी गोयल के साथ सोमवार द्वादशी के पावन अवसर पर राजस्थान स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री खाटू श्याम जी के दरबार में पहुंचकर श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री गोयल दंपती ने बाबा श्याम से परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

डॉ. सीमा जैन को पायथियन गेम्स काउंसिल ऑफ इंडिया की सचिव नियुक्त किए जाने पर बधाई

अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएं, राष्ट्रीय खेल आयोजन में बच्चों को मिलेगा प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सचिव डॉ. सीमा जैन को पायथियन गेम्स काउंसिल ऑफ इंडिया की सचिव नियुक्त किए जाने पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं अन्य पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

डॉ. सीमा जैन

डॉ. सीमा जैन शिक्षिका एवं शिक्षाविद् होने के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय हैं। वे समाज एवं संस्था के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनकी नई जिम्मेदारी से खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं प्रतिभा विकास के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं के द्वार खुलने की उम्मीद है।

7 से 10 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पायथियन गेम्स में देशभर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतिभाओं के प्रदर्शन के लिए भी विभिन्न मंच उपलब्ध कराए गए हैं।

प्रतियोगिताओं में लोक नृत्य, लोक गायन, चित्रांकन, चित्रकला, फोटोग्राफी सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक विधाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा खो-खो, पिट्ठू, तलवारबाजी, मार्शल आर्ट्स तथा अन्य पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से समाज के सभी प्रतिभाशाली बच्चों एवं युवाओं से अपील की गई है कि वे इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लें और अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करें। इच्छुक प्रतिभागी डॉ. सीमा जैन से संपर्क कर प्रतियोगिता एवं पंजीकरण संबंधी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना परिवार की ओर से डॉ. सीमा जैन को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए पुनः हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। समाज के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. सीमा जैन अपने अनुभव, ऊर्जा और समर्पण के साथ खेल एवं प्रतिभा विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देंगी।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

अग्रवाल समाज तेलंगाना के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत उन प्रतिभाशाली महिलाओं को आगे लाने की पहल की जा रही है, जो अपने घर से स्वादिष्ट खाद्य सामग्री तैयार कर रही हैं और अपने हुनर को बड़े स्तर पर पहचान दिलाना चाहती हैं।इस पहल के तहत विशेष रूप से उन महिलाओं को आमंत्रित किया जा रहा है, जो पापड़, अचार, नमकीन, मिठाई, बिस्किट एवं अन्य लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकने वाली खाद्य सामग्री बनाने में दक्ष हैं।

हमारा उद्देश्य केवल उनके उत्पादों को समाज के सामने लाना नहीं, बल्कि उन्हें ब्रांडिंग, प्रचार-प्रसार और व्यवसायिक सहयोग उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाना है। प्रयास है कि घर से शुरू किए गए इन छोटे प्रयासों को आगे बढ़ाकर सफल उद्यम और व्यवसाय का रूप दिया जाए।यदि आप भी अपने हुनर को बड़े स्तर पर ले जाना चाहती हैं, अपने उत्पाद को एक मजबूत पहचान और ब्रांड देना चाहती हैं तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना के साथ जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो यह अवसर आपके लिए है। आइए, मिलकर महिलाओं के हुनर को पहचान दें, उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं और उनके छोटे व्यवसायों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। इस पहल से जुड़ने की इच्छुक महिलाएं डॉ. सीमा जैन (मोबाइल : 99529 68363) से संपर्क करें।

पुत्रदा एकादशी के उपलक्ष्य में पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में बैण्ड सुमिरन द्वारा आयोजित 'भजन जैमिंग' कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों एवं भजन गायकों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, राहुल गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल (नाचारम), ब्रिजेश मोदी एवं बडी संख्या में उपस्थित भक्तगण ।

नर्स ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में अंतरजातीय विवाह के विवाद के चलते अपने माता-पिता की हत्या के आरोप में गिरफ्तार सुरेखा नामक 25 वर्षीय नर्स ने आत्महत्या कर ली है।

पुलिस के मुताबिक याचारम की रहने वाली सुरेखा संगारेड्डी के एक प्राइवेट अस्पताल में बतौर नर्स काम करती थी। करीब एक साल पहले उसे कोंडापुर मंडल के एक ड्राइवर से प्यार हो गया। उसके माता-पिता ड्राइवर की जाति दूसरी होने के कारण इस रिश्ते के खिलाफ थे और उसके लिए कोई दूसरा रिश्ता ढूंढ रहे थे।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हैदराबाद को राष्ट्रीय स्तर पर चार पुरस्कार

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। लाडनूं में आचार्य श्री महाश्रमणजी के सानिध्य में आयोजित तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अधिवेशन-2026 में टीपीएफ हैदराबाद शाखा को उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चार पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। शिक्षा सहयोग, सचिवीय अनुपालना, वॉकाथन और भक्ति संध्या आयोजन के लिए शाखा को यह सम्मान मिला।

अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मंडोत एवं नवनियुक्त अध्यक्ष पुष्प जैन पटावरी ने हैदराबाद शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सम्मानित किया। आचार्य श्री महाश्रमणजी ने अपने आशीर्वचन में जीवन में लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए टीपीएफ सदस्यों को धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहने की प्रेरणा दी।हैदराबाद से पांच सदस्यों को राष्ट्रीय टीम में जिम्मेदारियां सौंपी गईं। नरेश कठोतिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मोहित बैद को राष्ट्रीय सहमंत्री, ऋषभ दुगड़ को सीएसआर संयोजक, नवीन सुराना को कार्यक्रम संयोजक तथा दीपक संचेती को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। वहीं ऋषभ लुनिया को टीपीएफ हैदराबाद शाखा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।त्रिदिवसीय अधिवेशन में हैदराबाद शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता की।

सेवा भावना से समाज को प्रेरित कर रहा राधे-राधे ग्रुप : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा और मानवता की भावना के साथ जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि किसी जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का श्रेष्ठ माध्यम है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार से सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह हम सभी के लिए बहुत ही प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना और नियमित रूप से सेवा कार्य करना समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा जिस समर्पण और निस्वार्थ भावना के साथ अन्नदान किया जा रहा है, उससे निश्चित रूप से अन्य लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरणा मिलती है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसमें किसी प्रकार की अपेक्षा न हो। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना और समाज के कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशील रहना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने सेवा को अपने नियमित कार्यों का हिस्सा बनाकर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कामना की कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर आगे बढ़ता रहे और आने वाले समय में सेवा के माध्यम से और अधिक लोगों तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता सामूहिक सेवा भावना है। जब समाज के लोग मिलकर एक उद्देश्य के लिए कार्य करते हैं तो उसका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। अन्नदान जैसे सेवा कार्य जरूरतमंद लोगों के लिए तत्काल सहायता का माध्यम बनने के साथ-साथ समाज में परोपकार, सहयोग और भाईचारे की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी सदस्यों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल ने भी सेवा कार्यों में सहभागिता निभाते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने का यह अभियान निरंतर जारी रहना चाहिए। उन्होंने सेवा से जुड़े सभी सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय गोयल, नंद गोपाल, दत्ता हुलसुर, भाकर राम कुमावत एवं कमलादेवी कुमावत ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई और अन्नदान सेवा में अपना सहयोग प्रदान किया। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे नियमित सेवा कार्य समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल हैं। सेवा का यह अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज में एक-दूसरे के प्रति सहयोग, अपनापन और जिम्मेदारी की भावना पैदा हो रही है। सभी ने संकल्प व्यक्त किया कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य किए जाते रहेंगे।राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। सेवा का यह क्रम इसी प्रकार निरंतर चलता रहे और अधिक से अधिक लोग इस पुनीत अभियान से जुड़कर जरूरतमंदों की सहायता करें, यही कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों की भावना रही।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY

रेवंत रेड्डी ने केंद्र और मोदी पर अमेरिकी यात्रा मंजूरी न देने का आरोप लगाया, कहा

गुजरात सीएम को अनुमति, तेलंगाना सीएम को इनकार

मोदी गुजरात के ब्रांड एंबेसडर की तरह काम कर रहे हैं

निवेश और विकास का रास्ता रोकने की साजिश का आरोप

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर तेलंगाना के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें अमेरिका यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी न देना राज्य के चार करोड़ लोगों का अपमान है और इसके विकास को रोकने का प्रयास है।

रेवंत रेड्डी, जो दिन में पहले शहर लौटे, ने सवाल किया कि केंद्र एक लोकतांत्रिक रूप से चुने गए मुख्यमंत्री को शर्तें कैसे थोप सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय गुजरात सर्वोच्चता को दर्शाता है और सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है।

यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि गुजरात मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को उसी अवधि में अमेरिका जाने की अनुमति दी गई, जबकि उनकी प्रस्तावित यात्रा को मंजूरी नहीं मिली। गुजरात मुख्यमंत्री को अनुमति दी गई, तो मुझे विदेश जाने से क्यों रोका जा रहा है? रेवंत रेड्डी ने पूछा। उन्होंने बताया कि पटेल आठ दिनों तक अमेरिका में रहे और वाइब्रेंट गुजरात पहल के तहत कार्यक्रमों में भाग लिया।

उन्हें अनुमति क्यों दी और तेलंगाना सीएम को क्यों नहीं? रेवंत रेड्डी ने पूछा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार तेलंगाना-विरोधी विचारधारा दिखा रहे हैं और तेलंगाना से निवेश गुजरात की ओर मोड़ने की साजिश रच रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि गुजराती के रूप में काम कर रहे हैं और गुजरात के ब्रांड एंबेसडर की तरह कार्य कर रहे हैं। मुझे अनुमति न देने के पीछे राजनीतिक कोण क्या है? यह सरल है। मोदी भाजपा हैं; रेवंत रेड्डी कांग्रेस हैं। मोदी गुजरात हैं; रेवंत तेलंगाना हैं। क्या यही राजनीतिक कोण है? उन्होंने पूछा।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री कई देशों की यात्रा कर चुके हैं और गुजरात मुख्यमंत्री ने कई विदेशी यात्राएं की हैं। मोदी या केंद्र तेलंगाना सीएम को शर्तें कैसे थोप सकते हैं? उन्होंने पूछा और जोर दिया कि इनकार केवल उनके खिलाफ नहीं, बल्कि तेलंगाना के लोगों का अपमान है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी प्रस्तावित विदेशी यात्रा गोपनीय नहीं थी और उसका कार्यक्रम विदेश मंत्रालय (एमईए) को सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने एमईए को सूचित किया था कि अमेरिका यात्रा का उद्देश्य तेलंगाना को खेल और निवेश केंद्र के रूप में बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना और विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग तलाशना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का इरादा रखते थे। यदि विदेशी विश्वविद्यालय हमारे पास आते हैं, तो हमारे छात्रों को वहां जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, उन्होंने कहा। उन्होंने जोड़ा कि कई विदेशी विश्वविद्यालयों ने तेलंगाना विश्वविद्यालयों के साथ समझौते पर रुचि दिखाई है और कई कंपनियों ने आगामी भारत फ्यूचर सिटी में निवेश की रुचि जताई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित यूके और अमेरिका यात्राएं समान जुड़ाव वाली थीं, इसलिए समझना मुश्किल है कि यूके यात्रा के लिए मंजूरी क्यों दी गई और अमेरिका यात्रा के लिए क्यों नहीं। यूके यात्रा की अनुमति क्यों दी गई और अमेरिका यात्रा क्यों रोकी गई? उन्होंने पूछा।

उन्होंने बताया कि केंद्र ने राज्य सरकार को इनकार की जानकारी तभी दी जब आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल पहले ही यूके पहुंच चुका था। इससे उन्हें 20 अगस्त को शुरू हुई 10 दिवसीय यूके-अमेरिका यात्रा को बीच में ही काटना पड़ा और सोमवार को हैदराबाद लौटना पड़ा।

मीडिया रिपोर्टों से इनकार करते हुए कि उन्होंने एमईए को सूचित किए बिना अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वांस और न्यूयॉर्क सिटी मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात की योजना बनाई थी, रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूरा कार्यक्रम मंत्रालय को उपलब्ध कराया गया था। मेयर, उपराष्ट्रपति या किसी और से मिलने के लिए मुझे पहले से नियुक्ति लेनी पड़ती। यह ऐसा नहीं है कि कोई वार्ड पार्षद के कार्यालय में अचानक पहुंच जाए। भारतीय उच्चायोग को हर मुलाकात की मंजूरी देनी होती है, मुख्यमंत्री ने कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इनकार तेलंगाना को उसके निवेश और विकास उद्देश्यों से नहीं रोक पाएगा। दिसंबर में फ्यूचर सिटी में एक निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें तेलंगाना में निवेश के अवसरों को वैश्विक निवेशकों के सामने विस्तार से प्रस्तुत किया जाएगा। भले ही केंद्र मुझे अमेरिका जाने से रोके, वह मुझे राज्य में निवेश लाने के उद्देश्य को हासिल करने से नहीं रोक सकता, उन्होंने कहा।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सांसद संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इसे केंद्र के साथ उठाएंगे।

रेवंत रेड्डी ने एमईए की व्याख्या पर विवाद किया और कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने अमेरिका यात्रा के उद्देश्यों और कार्यक्रम को मंत्रालय को स्पष्ट रूप से सूचित किया था। उन्होंने कहा कि एमईए ने प्रस्ताव की जांच की और फिर यात्रा की अनुमति अस्वीकार कर दी, जिसे उन्होंने राजनीतिक रूप से प्रेरित निर्णय बताया। उन्होंने जोर दिया कि केंद्र की यह कार्रवाई न केवल भेदभावपूर्ण है, बल्कि सहकारी संघवाद की भावना के भी खिलाफ है।

फीस रिइम्बर्समेंट पर सरकार की विफलता, विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद हो

लंबित फीस प्रतिपूर्ति की राशि तत्काल जारी करें : अविनाश देवड़ा

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में फीस प्रतिपूर्ति की राशि लंबे समय से लंबित रहना राज्य सरकार की गंभीर विफलता है। यह महज भुगतान में देरी का विषय नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

सरकार और मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी से मेरा सीधा सवाल है कि जब विद्यार्थियों की शिक्षा की जिम्मेदारी सरकार ने ली है, तो उनकी फीस प्रतिपूर्ति की राशि समय पर क्यों जारी नहीं की जा रही है?

गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए पहले ही आर्थिक संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में फीस प्रतिपूर्ति में लगातार देरी से विद्यार्थियों पर आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ रहा है। कॉलेजों की फीस बकाया होने के कारण कई विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है।

चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करना आसान है, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन वादों को पूरा करना ही सरकार की असली परीक्षा है। फीस प्रतिपूर्ति के मामले में लगातार हो रही देरी यह सवाल खड़ा करती है कि क्या सरकार ने विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके भविष्य को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है?

यह कैसी व्यवस्था है, जहां विद्यार्थी अपने ही हक की राशि के लिए वर्षों तक इंतजार करने को मजबूर हों?

इस संबंध में हमारी स्पष्ट मांगें हैं

-सभी लंबित फीस प्रतिपूर्ति की राशि तत्काल जारी की जाए।

-फीस के लिए विद्यार्थियों पर किसी भी प्रकार का अनुचित दबाव न बनाया जाए।

-लंबित प्रतिपूर्ति की कुल राशि और उसके भुगतान की पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

-प्रतिपूर्ति के भुगतान के लिए निश्चित समयसीमा तय की जाए।

-भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए स्थायी और प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए।

श्री रेवंत रेड्डी जी, यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं हैयह तेलंगाना के विद्यार्थियों के भविष्य का सवाल है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने वादे निभाए और विद्यार्थियों को उनके अधिकार से वंचित न होने दे।

विद्यार्थियों को इंतजार नहीं, उनका अधिकार चाहिए। अब केवल आश्वासन नहीं चलेगा। जवाब चाहिए, कार्रवाई चाहिए और लंबित फीस प्रतिपूर्ति का तत्काल भुगतान चाहिए। विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करो।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा से शादी की सालगिरह बनी यादगार, अनन्त रेड्डी ने जताया आभार

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनन्त रेड्डी पाठकोला ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में अनेक सेवा कार्य देखे हैं, लेकिन इतनी बड़ी, निरंतर और समर्पित सेवा पहली बार देखने को मिली है।

अनन्त रेड्डी ने कहा कि सामान्य रूप से शादी की सालगिरह को परिवार और मित्रों के साथ खुशी के रूप में मनाया जाता है, लेकिन राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के माध्यम से इस विशेष अवसर को जरूरतमंद लोगों की सेवा से जोड़ना अपने आप में एक अनूठी और प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि किसी के जीवन के महत्वपूर्ण अवसर को समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ खुशियां बांटते हुए मनाना वास्तव में मानवता की सच्ची सेवा है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने जिस प्रकार सेवा का अवसर उपलब्ध कराया, उससे उन्हें विशेष खुशी और संतोष मिला। उन्होंने इस सेवा अवसर के लिए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल और भाकर राम कुमावत के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोनों के मार्गदर्शन और सेवा भावना से अनेक लोग नियमित रूप से मानव सेवा के कार्यों से जुड़ रहे हैं।अनन्त रेड्डी ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं है, बल्कि यह जरूरतमंद व्यक्ति के प्रति संवेदना, सम्मान और अपनत्व की भावना व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि नियमित रूप से इस प्रकार सेवा करना समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

कार्यक्रम में श्री रत्ना, दिविजा दीप्ति, जगत नारायण अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं महेश गोयल सहित अन्य सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नदान कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया।

इस अवसर पर सेवा, सहयोग और मानवता की भावना देखने को मिली। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि जीवन के विशेष अवसरों को जरूरतमंदों की सेवा के साथ जोड़ने से उस अवसर की खुशी कई गुना बढ़ जाती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम इसी सेवा भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

रामकथा में हुआ भरत चरित्र का दिव्य वर्णन

.हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बोइनपल्ली के बापूजी नगर स्थित गेहलोत, सोलंकी एवं पंवार परिवार के निवास स्थान पर आयोजित भव्य द्वैमासिक चातुर्मास कार्यक्रम में पूज्य गुरुदेव महंत भंवरगिरीजी महाराज के सानिध्य में रामकथा का आयोजन किया गया। कथा व्यास स्वामी हीरपुरीजी महाराज ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के परम भक्त भरत के चरित्र का भावपूर्ण वर्णन सुनाया।

स्वामी हीरपुरीजी महाराज ने कहा कि भरत जैसा प्रेम, त्याग और समर्पण का आदर्श संसार में दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि संसार भगवान श्रीराम का नाम लेता है, लेकिन भरत के प्रति श्रीराम के हृदय में भी उतना ही गहरा प्रेम था। भरत का संपूर्ण जीवन त्याग, भक्ति और राममय समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से रामकथा का श्रवण किया। गुरुदेव महंत भंवरगिरीजी महाराज के नियमित प्रवचनों से श्रद्धालु आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

माँ बनभौरी परिवार की सावन की सैर संपन्न

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मां बनभौरी परिवार भाग्यनगर की ओर से सावन की सैर का आयोजन मेड्चल के यालमपेट गांव स्थित श्री दक्षिण केदारेश्वर मंदिर में किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों एवं उनके परिवारों ने धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सावन की सैर के दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने भगवान शिव का सामूहिक अभिषेक किया तथा गोसेवा में भी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों एवं उनके परिवारों सहित करीब 80 लोगों ने भाग लिया।

धार्मिक कार्यक्रम के साथ मनोरंजन के लिए तंबोला एवं अन्य खेलों का भी आयोजन किया गया। सभी सदस्यों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान आपसी मेलजोल और पारिवारिक सौहार्द का वातावरण बना रहा।

सावन की सैर के अवसर पर संस्था की बैठक का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही महिला समिति की बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें आगामी कार्यक्रमों और संस्था की गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 14 फरवरी 2027 को मां बनभौरी वाली जी का नौवां अमृत महोत्सव श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

अंत में संस्था के संस्थापक सुशील मित्तल ने सभी सदस्यों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके साथ ही सावन की सैर कार्यक्रम का समापन हुआ।

नकली योजनाओं में निवेश का प्रलोभन और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट का दावा

सीसीएस टीम ने रायचोटी से पकड़कर हैदराबाद लाया

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सेंट्रल क्राइम स्टेशन के डिटेक्टिव विभाग के कर्मचारियों ने एक फर्जी डीएसपी को गिरफ्तार किया है, जो 2021 से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पीड़ितों को 1.2 करोड़ से अधिक की ठगी करने के आरोप में वांछित था। आरोपी कोंडुरु रेड्डी वेंकट राजू उर्फ केवीपी राजू उर्फ डीएसपी राजू को आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के रायचोटी स्थित अपने मूल स्थान से गिरफ्तार कर हैदराबाद सीसीएस लाया गया।

राजू आंध्र प्रदेश के दो मामलों में शामिल है। वह खुद को पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ितों को गैर-मौजूद उद्यमों में निवेश करने के लिए प्रलोभित करता था और ऊंचे रिटर्न का वादा करता था। विश्वास दिलाने के लिए वह संपत्ति के दस्तावेज और पोस्ट-डेटेड चेक पेश करता था। बाद में वह खुद को एनकाउंटर स्पेशलिस्ट बताकर पीड़ितों को धमकाता था।

शहर के एक व्यक्ति की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, जिसे 1.20 करोड़ की ठगी हुई थी, एसीपी के. किरण के मार्गदर्शन में एसआई जी. अनिल कुमार के नेतृत्व वाली सीसीएस-डीडी-ईओडब्ल्यू टीम-त ने राजू को गिरफ्तार किया।

तेलंगाना विधानसभा सत्र 7 सितंबर से शुरू होगा

मुख्यमंत्री ने विधायकों को भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया

सिंचाई परियोजनाओं के लिए धन, पुनर्वास और वन मंजूरी का आश्वासन

निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देने का आह्वान

हैदराबाद, 24 अगस्त (यूए-नआई)। तेलंगाना विधानसभा सत्र 7 सितंबर से शुरू होगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यहां सचिवालय में आयोजित बैठक के दौरान विधायकों को इसकी जानकारी दी।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों की समीक्षा भी की और उन्हें सिंचाई परियोजन-ाओं के लिए लंबित भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

रेवंत ने चेतावनी दी कि आवश्यक भूमि अधिग्रहण पूरा किए बिना सिंचाई परियोजनाएं पूरी नहीं की जा सकतीं। उन्होंने विधायकों को आश्वासन दिया कि सरकार भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना (आरएंडआर) तथा वन मंजूरियां प्राप्त करने के लिए धन उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों पर अधिक ध्यान देने का भी निर्देश दिया।बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और सीताक्का के साथ-साथ विधानसभा व्हिप, विधायक, सांसद और एमएलसी बासवाराजू सरैया उपस्थित रहे।

बेगम बाज़ार व्यापारियों ने सड़क चौड़ीकरण नोटिस का विरोध किया

हैदराबाद, 24 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेगम बाज़ार संपत्ति मालिकों एवं व्यापारियों ने तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रामचंदर राव को एक अभ्यावेदन सौंपा।

वे जीएचएमसी द्वारा भूमि अधिग्रहण के लिए जारी नोटिसों से व्यथित थे। ज्ञापन में सड़क को 50 फीट से 100 फीट तक चौड़ी करने का प्रस्ताव है, जो आवश्यक नहीं है क्योंकि इस सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही नहीं होती। गोशामहल से भूमाता मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण प्रस्ताव वापस लेने का अनुरोध किया गया। श्री राव ने प्रतिनिधिमंडल को उनकी मांगों को मुख्यमंत्री तक ले जाने और शिकायतों को प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया।

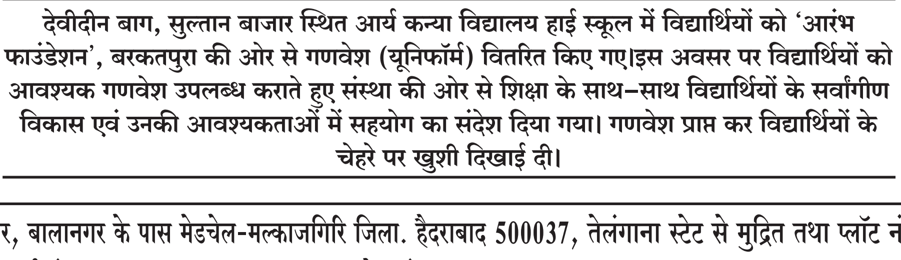

देवीदीन बाग, सुल्तान बाजार स्थित आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल में विद्यार्थियों को 'आरंभ फाउंडेशन', बरकतपुरा की ओर से गणवेश (यूनिफॉर्म) वितरित किए गए।इस अवसर पर विद्यार्थियों को आवश्यक गणवेश उपलब्ध कराते हुए संस्था की ओर से शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उनकी आवश्यकताओं में सहयोग का संदेश दिया गया। गणवेश प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.